www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 7 । अंक – 316 । नर्मदापुरम, शुक्रवार 21 फरवरी 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

अटल पार्क के पास से हटाए अतिक्रमण, आज भी हटेंगे पृष्ठ 2

चुनाव आयोग के साथ विपक्ष के समीकरणों में तनाव बोया गया
अस्मिता और विरासत का उत्सव: अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पृष्ठ 4

जिले के 2 रेलवे स्टेशन ने ऊर्जा संरक्षण में हासिल की उपलब्धि पृष्ठ 6

'भारत' दुनिया की सबसे तेजी गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा : आरबीआई पृष्ठ 8

हाईकोर्ट न्यायाधीश के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला

लोकपाल के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

- शीर्ष अदालत ने लोकपाल के आदेश को बहुत ही परेशान करने वाला बताया
- केंद्र को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने लोकपाल के उस आदेश पर गुरुवार को रोक लगा दी जिसमें कहा गया है कि हाईकोर्ट के मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत के मामले की जांच उसके (लोकपाल) अधिकार क्षेत्र में आता है।

न्यायमूर्ति बीआर गवई, सूर्य कांत और अभय एस ओका की पीठ ने रोक लगाते लोकपाल के इस आदेश को 'बहुत ही परेशान करने वाला' बताया और कहा कि वह इस संबंध में कानून बनाएगी, क्योंकि सभी न्यायाधीशों की नियुक्ति संविधान के तहत ही होती है। पीठ ने शिकायतकर्ता को शिकायत की विषय-वस्तु या न्यायाधीश का नाम उजागर न करने का भी आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और कहा कि वह होली की छुट्टी के बाद इस पर विचार करेगी।

एक हाईकोर्ट के वर्तमान न्यायाधीश और एक अतिरिक्त न्यायाधीश के खिलाफ दायर भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच के लिए लोकपाल की ओर से भारत के मुख्य न्यायाधीश से मार्गदर्शन मांगने पर शीर्ष अदालत ने स्वत: संज्ञान मामला दर्ज कर सुनवाई की। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर की अध्यक्षता वाली लोकपाल पीठ ने 27 जनवरी 2025 के आपने आदेश में कहा था कि हाईकोर्ट के न्यायाधीश पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करना लोकपाल के अधिकार क्षेत्र के अधीन होंगे। यह था लोकपाल का आदेश-लोकपाल ने 27 जनवरी को अपने आदेश में कहा, हम यह स्पष्ट करते हैं कि इस आदेश के द्वारा हमने एक विलक्षण मुद्दे पर अंतिम रूप से निर्णय लिया है कि क्या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित उच्च न्यायालय के न्यायाधीश 2013 के अधिनियम की धारा 14 के दायरे में आते हैं। न अधिक और न ही कम। इसमें हमने आरोपों की योग्यता पर बिल्कुल भी गौर नहीं किया है।

इस पर कानून बनाना चाहिए

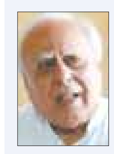

सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने इस संबंध में कानून बनाया जाने के पक्ष में दलील दी और कहा कि आदेश (लोकपाल के) पर रोक लगाना आवश्यक है। वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय लोकपाल अधिनियम, 2013 के दायरे में नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्णय हैं जिनमें कहा गया है कि उच्च न्यायालयों का गठन पहले के अधिनियम द्वारा किए जाने से न्यायाधीशों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आएगा।

सार-समाचार

मुर्मु, धनखड़ से मिले मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी। नवनियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति द्रौपती मुर्मु और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। श्री कुमार ने बुधवार को भारत के 26वें मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार संभाला था। निर्वाचन आयोग के सूत्रों के अनुसार श्री ज्ञानेश कुमार ने दोनों नेताओं से शिष्टाचार के तौर पर भेंट की है। ज्ञानेश कुमार ने श्री राजीव कुमार का स्थान लिया है, जिनका कार्यकाल मंगलवार को समाप्त हो गया था।

झारखंड दसवीं बोर्ड की हिंदी व विज्ञान की परीक्षाएं रद्द

रांची, एजेंसी। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने दसवीं बोर्ड के विज्ञान और हिंदी के पेपर लीक की पुष्टि होने के बाद दोनों विषयों की परीक्षा रद्द कर दी है। हिंदी (कोर्स ए और बी) की परीक्षा 18 फरवरी को ली गई थी, जबकि विज्ञान की परीक्षा 20 फरवरी को पहली पाली में आयोजित की गई थी। झारखंड एकेडमिक काउंसिल के अध्यक्ष के आदेश से सचिव की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि इन दोनों पत्रों की पुनर्परीक्षा की तिथियां बाद में घोषित की जाएंगी।

सड़क दुर्घटनाओं में 3 की मौत, कई घायल

सतना/कटनी, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के मैहर और कटनी में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पहली दुर्घटना भोपाल से 475 किलोमीटर दूर मैहर में राम मंदिर के पास हुई। एक स्कॉर्पियो वाहन एक बस के पिछले हिस्से से टकरा गया। हादसे में स्कॉर्पियो में सवार तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं दो अन्य यात्री घायल हो गए। एक अलग घटना में, तेलंगाना से प्रयागराज कुंभ तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस कटनी जिले के कोतवाली पुलिस क्षेत्र के द्वार गांव के पास पलट गई। इस सड़क हादसे में सात यात्री घायल हो गए।

श्रीलंका की नौसेना ने तमिलनाडु के 10 मछुआरों को पकड़ा

रामनाथपुरम, एजेंसी। श्रीलंका की नौसेना ने अपने जलक्षेत्र में अवैध शिकार के आरोप में तमिलनाडु के 10 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है और तीन ट्रॉलर भी जब्त कर लिए हैं। मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को यहां बताया कि रामेश्वरम के रहने वाले मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने बुधवार रात तब गिरफ्तार किया, जब वे अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पास समुद्र में मछली पकड़ने की गतिविधियों में लगे हुए थे। मछुआरे कल सुबह रामेश्वरम से मछली पकड़ने वाली जेटी से रोजाना की तरह मछली पकड़ने के लिए समुद्र में गए थे।

कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन पर हमला

गुवाहाटी, एजेंसी। असम की धुबरी लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन और उनके निजी सुरक्षा अधिकारी पर गुरुवार को अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया। सांसद के सुरक्षाकर्मियों ने बदमाशों को रोकने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। घायल सांसद को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि असम के नगांव जिले के रुपालीहाट क्षेत्र में सांसद रकीबुल हुसैन पर हमला हुआ। जब वे पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लेने जा रहे थे, इस दौरान हाथों में क्रिकेट बैट लिए कुछ लोग आए और सांसद पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि सभी के चेहरे काले कपड़े से ढके हुए थे। सांसद के निजी सुरक्षाकर्मी ने उनको बचाने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने उन पर भी हमला कर दिया। पुलिस मौके पर पहुंची और सांसद को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि सांसद की चोटों के बारे में अभी पता नहीं चला है। हमलावर मौके से फरार हो गए हैं। घटना की जांच शुरू कर दी है। सांसद रकीबुल हुसैन पर हमले के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने असम के सीएम पर हमला बोला। गोगोई ने कहा कि असम में लोकतंत्र खतरे में है और राज्य के लोग गुंडा राज से आजादी चाहते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी : भारत ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया, गिल ने जड़ा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया ने जीत के साथ आगाज किया है. 229 रन के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 45.3 ओवर्स में चार विकेट गंवाकर हासिल किया।

दुबई में खेले गए इस मुक़ाबले में भारत के लिए जीत के हीरो शुभमन गिल और मोहम्मद शमी रहे. गिल ने 125 गेंद 100 रन बनाए. उनकी पारी में 9 चौके और दो छक्के शामिल रहे. वहीं इससे पहले शमी ने पांच विकेट हासिल करते हुए बांग्लादेश की पारी को 228 रन पर ही रोकने में अहम भूमिका निभाई. 228 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित शर्मा ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई. रोहित शर्मा हालांकि 36 गेंद में 41 रन बनाकर आउट हो गए.

भारत ने 30.1 ओवर में 144 के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे. लेकिन केएल राहुल ने 41 रन की नाबाद पारी खेलकर गिल के साथ टीम को जीत तक पहुंचा दिया. इससे पहले बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. बांग्लादेश ने 35 रन पर ही पांच विकेट गंवा दिए थे.लेकिन तौहीद और जेकर के बीच छठे विकेट के लिए 154 रन की साझेदारी हुई. जेकर ने 68 रन बनाए और तौहीद 100 रन की पारी खेली. हालांकि बांग्लादेश की पूरी टीम 49.4 ओवर में 228 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. शमी ने 5 विकेट लिए, जबकि हर्षित को तीन और अक्षर को दो विकेट हासिल हुए।

मुख्यमंत्री आज प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अंतरित करेंगे लैपटॉप की राशि

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 21 फरवरी को प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बैंक खाते में लैपटॉप की राशि अंतरित करेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम प्रात: 10.30 बजे भोपाल के आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा वर्ष 2023-24 में कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक से उत्तीर्ण होने वाले 89 हजार 710 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सिंगल क्लिक से उनके बैंक खातों में 224 करोड़ रूपये की राशि भी अंतरित करेंगे। ये विद्यार्थी वर्तमान में उच्च शिक्षा संस्थान में अध्ययन कर रहे हैं।

रामलीला मैदान में आयोजित किया गया समारोह

रेखा गुप्ता ने संभाली दिल्ली की बागडोर

प्रधानमंत्री मोदी समेत कई राजग नेता और मुख्यमंत्री रहे मौजूद

नई दिल्ली, देशबन्धु। छात्र राजनीति से मुख्य धारा की राजनीति में आयीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पुरानी कार्यकर्ता रेखा गुप्ता के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार की बागडोर संभाली। दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के शीर्ष नेताओं की उपस्थिति में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने श्रीमती गुप्ता और उनके सहयोगी मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। श्रीमती गुप्ता शालीमार बाग से भाजपा की विधायक चुनी गई हैं।

श्रीमती गुप्ता के बाद क्रमश: नई दिल्ली विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हराकर विधायक बने प्रवेश साहिब सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद सर्वश्री आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली।

रामलीला मैदान में तीन मंच सजे थे। बांये मंच पर विभिन्न धर्मों के धर्म गुरु और कई प्रमुख संत विराजमान थे। बीच के मंच पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों को शपथ दिलाने की व्यवस्था की गयी थी और इस मंच पर प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मोदी मंत्रिमंडल में शामिल अन्य मंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अध्यक्ष जेपी नड्डा, दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, भाजपा और राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री उपस्थित थे। मंच पर असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, उप मुख्यमंत्री पवन आदि मौजूद थे।

6 मंत्रियों ने भी ली शपथ, विभागों का बंटवारा

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता के अलावा उनके साथ 6 मंत्रियों ने भी शपथ ली। नई सरकार का गठन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विभागों का बंटवारा कर दिया। उन्होंने बताया, वे सामान्य प्रशासन, सेवा, वित्त, राजस्व, महिला और बाल विकास, भूमि और भवन, सूचना और जनसंपर्क, सतर्कता, योजना, प्रशासनिक सुधार और अन्य विभाग संभालेंगी जो किसी अन्य मंत्री को आवंटित नहीं किए गए हैं।

मंत्री प्रवेश वर्मा को पीडब्ल्यूडी, विधायी मामले, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण, जल और गुरुद्वारा चुनाव, आशीष सूद को घर, बिजली, शहरी विकास, शिक्षा, मनजिंदर सिरसा को उद्योग, वन एवं पर्यावरण, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, रविंदर इंद्राज को सामाजिक कल्याण, एससी और एसटी कल्याण, कपिल मिश्रा को कानून और न्याय, श्रम, पर्यटन, पंकज सिंह को स्वास्थ्य, परिवहन, आईटी विभाग सौंपा गया है। सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा की पहली बैठक में सीएजी की रिपोर्ट पेश करने की घोषणा की है। साथ ही दिल्ली कैबिनेट ने अपनी पहली बैठक में आयुष्मान भारत योजना को अमल में लाने की मंजूरी भी दे दी है।

जनता के एक-एक रुपए का हिसाब देना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से पहले रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग स्थित अपने आवास के बाहर गुरुवार को पत्रकारों से कहा, पिछले 12 वर्षों से आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली पर शासन किया है। भ्रष्टाचार के मुद्दे उनके ऊपर हैं। उन्हें जनता के एक-एक रुपये का हिसाब देना होगा। रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि नई जिम्मेदारी उनके लिए एक नई प्रेरणा और एक नया अध्याय है।

रायबरेली में राहुल ने दलित छात्रों से किया संवाद, बोले-

अगर मायावती ने साथ दिया होता तो भाजपा नहीं जीतती

मायावती भाजपा की बी टीम बनकर काम कर रहीं

रायबरेली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो दिन के दौरे पर गुरुवार को रायबरेली पहुंचे। यहां दलित छात्रों से संवाद के दौरान उन्होंने मायावती को लेकर बड़ा बयान दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मूल भारती छात्रावास में कहा, मेरा सवाल है, बहनजी (मायावती) आज तक कोई चुनाव ठीक से क्यों नहीं लड़ीं? हम चाहते थे बहनजी बीजेपी के विरोध में मेरे साथ चुनाव लड़े। अगर तीनो पार्टियां एक साथ हो जाती तो बीजेपी कभी चुनाव न जीतती।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मायावती बीजेपी की बी टीम बनकर काम कर रही हैं। देश के संविधान में दलितों के योगदान का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि डॉ. बीआर अंबेडकर के पास सुविधाओं का अभाव था, फिर भी उन्होंने पूरी राजनीतिक व्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। देश की बड़ी 500 फर्मों में शामिल कुछ शीर्ष निजी कंपनियों का नाम लेते हुए राहुल गांधी ने युवाओं से पूछा कि उनमें से कितनी कंपनियों के प्रमुख दलित हैं। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि पूरी व्यवस्था दलितों के खिलाफ है और नहीं चाहती कि वे आगे बढ़ें।

उन्होंने कहा, ये व्यवस्था आप पर हर रोज हमला करती है और आधे से ज्यादा बार तो आपको पता भी नहीं चलता कि यह आप पर कैसे हमला करती है। आपको यह समझने की जरूरत है कि संविधान की विचारधारा ही आपकी विचारधारा है। मैं आपको गारंटी के साथ कह सकता हूं कि अगर इस देश में दलित नहीं होते तो इस देश को संविधान नहीं मिलता।

कांग्रेस, भाजपा आरक्षण विरोधी

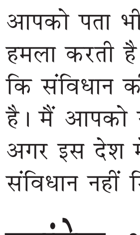

मायावती ने एक अन्य ट्वीट में कहा, 'वैसे भी कांग्रेस व भाजपा आदि का चाल, चरित्र, चेहरा हमेशा बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर, उनकी अनुयायी बीएसपी व उसके नेतृत्व, उनके दलित-बहुजन अनुयाइयों एवं आरक्षण आदि का घोर विरोधी रहा है, जिससे देश संविधान का समतामूलक व कल्याणकारी उद्देश्य पाने में काफी पीछे जो चिन्ताजनक है।'

धोखाधड़ी का मामला : महाराष्ट्र के कृषि मंत्री को 2 साल की सजा, जमानत मिली

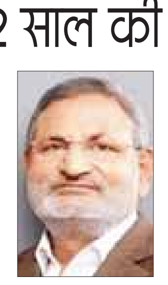

50 हजार का जुर्माना लगा

नासिक, एजेंसी। धोखाधड़ी के मामले में महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे और उनके भाई विजय कोकाटे को नासिक के एक न्यायालय ने 2 साल की कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही न्यायालय ने उन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं 2 अन्य आरोपियों को न्यायालय ने दोषमुक्त कर दिया। हालांकि, बाद में न्यायालय ने कोकाटे बंधुओं को जमानत दे दी, जो इस आदेश के खिलाफ महाराष्ट्र उच्च न्यायालय में अपील करने वाले हैं।

सहायक लोक अभियोजक पूनम घोटके ने कहा, हमने इस मामले में कुल 10 गवाहों की जांच की थी। सभी 10 गवाहों की जांच के बाद न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया। साथ ही न्यायालय ने महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) और नासिक के डिप्टी कलेक्टर (शहरी भूमि सीमा एवं विनियमन-यूएलसी) को कोकाटे बंधुओं को फ्लैटों का आवंटन रद्द करने और अपील अवधि समाप्त होने के बाद कब्जा बहाल करने के लिए जरूरी कार्रवाई करने के भी आदेश दिए हैं। महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण के फ्लैटों के आवंटन के लिए कोकाटे बंधुओं ने निर्धारित सीमा से कम यानी 30 हजार रुपये प्रति वर्ष से कम आय दिखाकर सरकार के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगा था। पूर्व मंत्री तुकाराम दिघोले ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के येओलेकर माला में निर्माण व्यू अपार्टमेंट में धोखाधड़ी से फ्लैट हासिल करने के लिए कोकाटे बंधुओं के खिलाफ याचिका दायर की थी। शिकायत 1995 में सरकार के 10 प्रतिशत कोटे से घर खरीदने के लिए कम आय दिखाने से संबंधित थी। हालांकि शिकायतकर्ता कांग्रेस से 3 बार विधायक और मंत्री रहे तुकाराम दिघोले का वर्ष 2019 में निधन हो गया।

खजुराहो नृत्य एवं अलंकरण समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

कला, संस्कृति की विरासत को संभालने का कार्य कर रही सरकार : डॉ. यादव

खजुराहो/छतरपुर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार कला, संस्कृति की विरासत को संभालने का कार्य कर रही है। नृत्य साधना में हमारे पूर्वजों की कल्पनाशीलता व गतिशीलता की झलक दिखाई देती है। नृत्य मुद्राओं को महाकाल महालोक में शिल्पकला के माध्यम से प्रदर्शित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने खजुराहो में खजुराहो नृत्य समारोह एवं अलंकरण समारोह को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत शर्मा भी इस अवसर पर मौजूद थे।

मुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने नृत्य स्मारिका का विमोचन कर कलाकारों को मध्यप्रदेश राज्य रूपांकर कलाकार सम्मान से सम्मानित किया। साथ ही 139 कलाकारों द्वारा 24 घंटे लगातार नृत्य कर विश्व कीर्तिमान स्थापित कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर कलाकारों को बधाई दी। समारोह को प्रदेश शासन के मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री व विधायक श्रीमती ललिता यादव, विधायक अरविंद पटेरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विद्या अग्निहोत्री, जिला अध्यक्ष चंद्रभान सिंह गौतम एवं नगर परिषद अध्यक्ष अरुण अवस्थी उपस्थित रहे।

स्थानीय कलाकारों का प्रतिनिधित्व सराहनीय कार्य : शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि खजुराहो नृत्य समारोह में शामिल होना अद्भुत क्षण है। मध्यप्रदेश सरकार कलाकारों के लिए लगातार कार्य कर रहा है। स्थानीय कलाकारों को इस समारोह में शामिल करके मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने स्थानीय कलाकारों का बहुत सम्मान किया है। स्थानीय कलाकारों को लेकर हमेशा चर्चा होती थी। मैं सरकार के इस सराहनीय कार्य के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई देता हूं। स्थानीय कलाकारों को शामिल करके समारोह में एक नई शुरूआत की गई है। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार स्थानीय कलाकारों को खजुराहो में प्रशिक्षण भी दिलाने जा रही है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

बाघदेव के आसपास चहलकदमी कर रहा है बाघ

इटारसी,देशबन्धु। सतपुड़ा के बाघदेव इलाके में एक बाघ चहलकदमी कर रहा है। बीती रात इटारसी के एक रेलकर्मी और उनके परिवार ने इसे रोड पार करते देखा। इससे पहले यह बाघ 30 जनवरी को भी राहगीरों को दिखाई दिया था। पश्चिम मध्य रेलवे मजदूर संघ के नेता तरुण शुक्ला जब अपने परिवार के साथ बैतूल से इटारसी आ रहे थे, उन्होंने बाघदेव मंदिर और 11 मुखी हनुमान मंदिर के बीच सड़क पार करते बाघ को देखा, जो उनकी कार की रोशनी में साफ देखा गया। 30 जनवरी को भी इसी क्षेत्र में राहगीरों को बाघ दिखाई दिया था। उस समय राहगीरों ने बाघ का एक वीडियो भी बनाया था।

एडवोकेट अमेंडमेंट बिल के विरोध में अधिवक्ता आज न्यायालय कार्य नहीं करेंगे

इटारसी,देशबन्धु। अधिवक्ता संघ इटारसी ने एडवोकेट अमेंडमेंट बिल 2025 के विरोध में कल 21 फरवरी को न्यायालयीन कार्य से विरत रहने का फैसला किया है। संघ ने पदाधिकारी कार्यकारिणी एवं संघ के सदस्यों से एडवोकेट अमेंडमेंट बिल 2025 पर विस्तृत चर्चा के बाद निर्णय लिया है। संघ का मानना है कि प्रस्तावित संशोधन बिल अधिवक्ताओं के स्वतंत्र निष्पक्ष एवं निर्भीक वकालत पर कुठाराघात करता है। इस बिल का पूरे प्रदेश में भिन्न-भिन्न अधिवक्ता संघ द्वारा एवं उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ ने भी पुरजोर विरोध किया है। इसी क्रम में अधिवक्ता संघ इटारसी 21 फरवरी 2025 को सभी अधिवक्ताओं ने अपने-अपने कार्य से विरत रहने का निर्णय सर्व सम्मिति से लिया है। संघ ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश इटारसी, न्यायाधीश सिविल कोर्ट इटारसी जिला नर्मदापुरम से अनुरोध किया है कि 21 फरवरी 2025 को जो प्रकरण न्यायालय के नियत है, उन्हें अदम पैरवी में खारिज न करें एवं अनुपस्थिति आरोपी का वारंट जारी न किया जाए।

धान से भरे ट्रक के चालक ने मारी खड़े ट्रैक्टर को टक्कर

इटारसी,देशबन्धु। खेड़ा क्षेत्र में मुख्य मार्ग किनारे खड़े ट्रैक्टर में धान से भरे एक ट्रक के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर दो हिस्सों में हो गया। घटना के दौरान ट्रैक्टर मालिक अपने वाहन की मरम्मत करा रहा था। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया है। हालांकि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। ट्रैक्टर मालिक की शिकायत पर पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार गुरुवार को दोपहर खेड़ा क्षेत्र में कब्रिस्तान के पास सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर में ट्रक क्रमांक एमपी 09, एचजी 4134 के चालक ने टक्कर मार दी। ट्रैक्टर मालिक होरियापीपर गांव का रहने वाला है। उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रक चालक की तलाश प्रारंभ कर दी है।

जामठी स्कूल के होनहार विद्यार्थियों को स्कूटी और लैपटॉप का तोहफा

बैतूल, देशबन्धु। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामठी, बैतूल के विद्यार्थियों के लिए खुशी का मौका रहा जब सत्र 2023-24 की हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा कला संकाय के दो मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान की गई। कुमारी प्रियंका पिता माखन पवार और बालक सागर उइके पिता ढीमरा उइके को मध्य प्रदेश शासन की स्कूटी योजना के तहत यह सम्मान मिला। इसके अलावा विद्यालय में अध्ययनरत कुमारी सुहानी पिता हरिराम यादव, कुमारी लक्ष्मी पिता चिंटू और कुमारी प्रियंका पिता माखन पवार को मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना के तहत लैपटॉप प्रदान किए गए। इन छात्रों की मेहनत और उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार पाटिल और समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। यह सम्मान प्राप्त कर विद्यार्थी उत्साहित नजर आए और उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और परिवार को दिया। विद्यालय में इस उपलब्धि को लेकर हर्ष का माहौल रहा।

अटल पार्क के पास से हटाए अतिक्रमण, आज भी हटेंगे

इटारसी,देशबन्धु। नगर पालिका ने लंबे अंतराल के बाद फिर से अटल पार्क के पास से चाट-पकौड़े, फुलकी व चाइनीज खानपान के ठेलों को हटाया है। पार्क में सैर करने आने वालों की शिकायत के बाद नगर पालिका ने वर्षों पूर्व यहां से ऐसे ही हाथठेलों को हटाकर चौपाटी बनायी और वहां उनका विस्थापन किया था। खाली जगह देखकर यहां नया अतिक्रमण हो गया, जिसे समय रहते रोका नहीं गया और अब यह फिर नगर प्रशासन के लिए परेशानी का सबब बन रहा है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती ऋतु मेहरा ने आज अटल पार्क के पास जड़ें जमा रहे इन अतिक्रमण को हटाया है। हालांकि कुछ लोगों को 24 घंटे की मोहलत दी गई है। श्रीमती मेहरा ने बताया कि कुछ ठेले वालों का कहना था कि हमारा माल खराब हो जाएगा, इसलिए 24 घंटे की अनुमति दी गई है। वहीं कुछ लोगों ने तत्काल हटा लिए हैं। यदि 24 घंटे के अंदर अगर नहीं हटते हैं तो मुख्य अधिकारी द्वारा ठेले जब्त कर लिए जाएंगे। इसके जिम्मेदार स्वयं दुकानदार होंगे।

पार्क में सैर करने वालों को परेशानी- दरअसल, यहां मसालों की तीखी गंध और उड़ते मसाले अटल पार्क में सैर करने वालों की परेशानी का सबब तो बनते हैं, मुख्य मार्ग पर होने के कारण वाहन चालकों की आंखों में लगकर ये दुर्घटना का कारण भी बनते हैं। इसी बात को लेकर करीब छह वर्ष पूर्व यहां से खानपान ठेलों को पूरी तरह से हटाकर रेस्ट हाउस के साइड में चौपाटी का निर्माण नगर पालिका ने कराके वहां इनको विस्थापित किया था। कुछ दिन पार्क की बाउंड्री से लगी जगह खाली रही, फिर धीरे-धीरे नये खानपान विक्रेताओं ने यहां दुकानें लगानी प्रारंभ कर दी।

अनदेखी से जम जाते हैं दुकानदार- जब रिक्त जगह देखकर नये दुकानदारों ने यहां अपना कारोबार जमाना प्रारंभ किया था, तभी नगर पालिका के जिम्मेदारों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया और इनको यहां दुकान लगाने से नहीं रोका। आज करीब चार-पांच वर्ष से यहां दुकानें लगाने के बाद इनको हटाया जा रहा है तो जाहिर है, ये भी अब अपने लिए जगह की मांग करेंगे। यदि इनके पहले ही यहां दुकानें लगाने से रोकककर चौपाटी के पास ही जगह दे दी होती तो आज यह नौबत ही नहीं आती और यह मार्ग साफ सुथरा भी रहता और आवागमन की दृष्टि से बेहतर भी होता।

कबाड से जुगाड़ का नवाचार, अटल पार्क में अब होंगे बब्बर शेर के दीदार

इटारसी,देशबन्धु। कबाड़ के लोहे से बने बब्बर शेर का दीदार अब अटल पार्क में होगा। नगरपालिका परिषद ने कबाड़ से जुगाड़ का नवाचार किया है। नगरपालिका परिषद ने भंगार में पड़े लोहे से एक बब्बर शेर बनाया है, साथ ही बेंच बनाई हैं। आज 20 फरवरी को विधायक डॉ सीतासरन शर्मा व नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने इनका अनावरण किया। इस अवसर पर सीएमओ श्रीमती ऋतु मेहरा, भाजपा पिछडा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष जयकिशोर चौधरी, वरिष्ठ भाजपा नेता विश्वनाथ सिंघल, भाजपा सभापति राकेश जाधव, मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, पुरानी इटारसी मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो, पार्षद शुभम गौर, सभापति प्रतिनिधि शहबाज बेग, पार्षद प्रतिनिधि आशुतोष अग्रवाल, राजू बैस, शुभम मैना, अंकित मेहतो, सौरभ मेहरा, आशीष मालवीय, शुभम राठौड, हैप्पी भाटिया सहित अन्य मौजूद थे।

मप्र के प्रमुख रेल जंक्शन पर सुरक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क

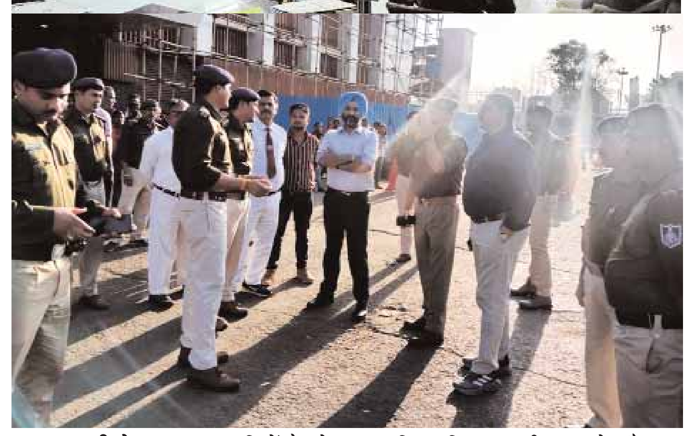

इटारसी,देशबन्धु। इन दिनों रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की खासी भीड़ है। जिले के अलावा मध्यप्रदेश के अन्य शहरों और अन्य प्रदेशों के यात्री भी इटारसी में हैं। कोई यहां से ट्रेन बदलने के लिए आ रहा है तो कोई सीधे जा रहा है, लेकिन ट्रेन रुकने पर प्लेटफार्म पर उतर रहा है। ऐसे में मध्यप्रदेश के इस प्रमुख रेल जंक्शन पर यात्रियों की बड़ी संख्या हो रही है। इन यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था और किसी भी प्रकार की घटना न हो, इसके लिए रेलवे के साथ मिलकर स्थानीय प्रशासन भी योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहा है।

एसडीएम टी प्रतीक राव ने रेलवे स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में सिटी पुलिस, रेल पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे के अधिकारियों के साथ बैठक करके पिछले दिनों नयीदिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई घटना से सबक लेकर व्यवस्था में कहीं खामी न हो, इसके लिए ताकीद किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ.गुरुकरन सिंह ने भी रेलवे परिसर का दौरा करके सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया है। गौरतलब है कि अभी महाकुंभ में महाशिवरात्रि का शाही स्नान शेष है, यह अंतिम स्नान होगा जिसमें करोड़ों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचेंगे। ऐसे में यात्रियों की संभावित भारी भीड़ की सुरक्षा के लिए पुलिस, रेलवे और स्थानीय प्रशासन गुणा-भाग कर रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय स्थिति न बने। एसडीएम ने प्रयागराज जाने और आने वाले यात्रियों की सुरक्षा को लेकर रेलवे कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी डॉ. गुरु करन सिंह ने भी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने कुंभ मेले के दौरान यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रेलवे अधिकारियों से चर्चा की। इटारसी से कुंभ मेले के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने-जाने की संभावना है। महाकुंभ में 26 फरवरी को महास्नान को लेकर प्रशासन ने रेलवे के अधिकारी कर्मचारियों से चर्चा कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर दिशा निर्देश भी दिए। बैठक में एसडीओपी वीरेन्द्र कुमार मिश्रा, आरपीएफ थाना प्रभारी अनुराधा मिश्रा, जीआरपी थाना प्रभारी रामसनेही चौहान और स्टेशन प्रबंधक शुभेंदु राय मौजूद रहे।

जलकलश यात्रा से हुआ 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ

बैतूल, देशबन्धु। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में तहसील घोड़ाडोंगरी के बटकीडोह (चोपना) में 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। गायत्री परिवार के प्रवक्ता रविशंकर पारखे ने बताया कि यह महायज्ञ 23 फरवरी तक बटकीडोह के काली मंदिर चौराहा परिसर में आयोजित किया जाएगा। महायज्ञ का शुभारंभ आज सुबह 10 बजे भव्य जलकलश यात्रा से हुआ। देवी मंदिर से प्रारंभ हुई इस यात्रा का नगरवासियों ने स्वागत किया। इसमें सैकड़ों श्रद्धालु परिजनों ने भाग लिया। यात्रा का विधिवत पूजन टोली नायक धनराज धोटे ने किया और जलकलश यात्रा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर गायत्री परिवार के वरिष्ठ सदस्य राजेंद्र मालवीय का जन्मदिन भी मनाया गया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक डॉ. कैलाश वर्मा ने बताया कि इस क्षेत्र में पहली बार गायत्री महायज्ञ का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस महायज्ञ के माध्यम से गायत्री परिवार, यज्ञ का महत्व और युग निर्माण योजना की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने सभी परिजनों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन जिला सह-समन्वयक रविशंकर पारखे ने किया। आयोजन समिति के महादेव मंडल, एन.सी. बल, एम.एल. गाठिया, चंद्रमूल रजने, डॉ. मनोज पाटणकर, सुनील शर्मा, मधु यादव, डॉ. टी.सी. अनघोरे ने सभी श्रद्धालुओं से महायज्ञ में शामिल होने का अनुरोध किया। जलकलश यात्रा में गांव के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

पाक्सो एक्ट पर जागरूकता अभियान में कुसुम मालपानी स्कूल में बच्चों को विधिक जानकारी दी

इटारसी,देशबन्धु। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के दस वर्ष पूर्ण होने पर निरन्तर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं, जिसका 8 मार्च महिला दिवस का समापन होगा। आज विधायक डॉ सीतासरन शर्मा के मार्गदर्शन में कुसुम मालपानी स्कूल में मिशन वात्सल्य अंतर्गत किशोर न्याय अधिनियम 2015 एवं यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पास्को एक्ट अधिनियम 2012) जागरूकता अभियान का कार्यक्रम रखा गया।

इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता मनीष ठाकुर, परामर्शदाता अधिवक्ता राकेश गौर, परामर्शदाता रीना गौर, मुस्कान संस्था की विधिक कार्यकर्ता मोना जोनाधन ने बच्चों को

शासकीय योजना के साथ विधिक जानकारी दी। परियोजना अधिकारी दीप्ति शुक्ला ने बताया कि विभाग लगातार 22 जनवरी से जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है एवं 8 मार्च को समापन किया जाएगा। इस अवसर पर कुसुम मालपानी स्कूल के शिक्षक हरीश मालवीय, आनंद तिवारी, डॉली साकरिया, कुमुद शुक्ला, मधुलिका तिवारी के साथ महिला बाल विकास की सुपरवाइजर राखी यादव, मीणा गाठले, राखी मौर्य, रेखा मालवीय, ज्योति बामने, ज्योति मड़ैया, राधा मालवीय, रजनी सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

क्या है पॉक्सो एक्ट

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012, यह कानून, बच्चों को शारीरिक, भावनात्मक, या यौन शोषण से बचाने के लिए बनाया गया था। इस कानून के तहत, 18 साल से कम उम्र के बच्चों के साथ यौन शोषण करने वालों पर कार्रवाई की जाती है।

बंदरों की धमाचौकड़ी से नागरिकों में भय, घरों के सामान को नुकसान पहुंचाया

इटारसी,देशबन्धु। गर्मी बढ़ने के साथ ही जंगल से बंदरों का झुंड अब शहर में आने लगा है। आज ही लाइन क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक काले मुंह के बंदरों का एक झुंड देखा गया जिससे रहवासी दहशत में हैं। बंदरों का यह झुंड न केवल मकानों की छत पर बल्कि घर के सामने खड़े वाहनों पर भी धमाचौकड़ी मचा रहे हैं। शहर के लाइन एरिया में बंदरों के आतंक से लोग परेशान हैं। गुरुवार को बाजार के लाइन क्षेत्र के 11 वी लाइन में बंदरों के एक झुंड से लोग डरे हुए हैं। बैंक आईडीबीआई बैंक के आसपास के घरों पर बंदरों के झुंड ने लोगों के घरों में रखे सामान को खासा नुकसान पहुंचाया है। बंदरों की मौजूदगी से लोग भयभीत हैं। रेंजर महेन्द्र कुमार गौर का कहना है बंदरों को पकड़ने के लिए न तो हमारे पास टीम है, और ना ही पिंजरा। एसटीआर की टीम पकड़ सकती है। जबलपुर में एक टीम है, प्रायवेट जो बंदरों को पकड़ती है।

गुरु गोविंद सिंह शाखा ने मनाई शिवाजी जयंती, वीर छत्रपति के जीवन पर परिचर्चा

बैतूल, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गुरु गोविंद सिंह शाखा पर वीर छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संघ के 28 सदस्यों ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। संघ के सदस्यों ने छत्रपति शिवाजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शिवाजी महाराज का जन्म 19 फरवरी 1630 को शिवनेरी दुर्ग, पुणे, महाराष्ट्र में हुआ था। उन्होंने हिंदू साम्राज्य की स्थापना की और मुग़ल शासक औरंगजेब का प्रतिरोध कर भारतीय हिंदू संस्कृति को जीवित रखा। 16 वर्ष की आयु में उन्होंने पुणे के एक किले पर विजय प्राप्त की, और औरंगजेब के समय निर्मित किले पर भगवा ध्वज फहराया। संघ के सदस्यों ने कहा कि आज हिंदुत्व की संस्कृति कायम है तो उसका श्रेय छत्रपति शिवाजी महाराज को जाता है। भले ही वे स्वयं भगवान न हों, लेकिन आज हमारे मंदिरों में जो देवता पूजे जाते हैं, उनकी रक्षा का श्रेय शिवाजी महाराज को ही है। इस अवसर पर संघ के सभी सदस्यों ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर दो-दो मिनट का व्याख्यान प्रस्तुत किया। संघ के वरिष्ठ सदस्य दिनेश सोनी, रविशंकर पारखे, विजय जोशी, लक्ष्मण बारस्कर, प्रयागराव सराटकार, साबले जी, साहेबराव धोटे, अशोक सोनी, वामनराव पोटफोडे, रमेश उबनारे, के.एल. हारले, कृष्णा पाटिल, के.के. दुबे, रामाजी गाडवे एवं शाखा कार्यवाह ऋषभ दयाल ने उनके जीवन परिचय पर विस्तार से चर्चा की। गुरु गोविंद सिंह शाखा ने सभी महापुरुषों की जयंती मनाने का संकल्प लिया है, ताकि उनके विचारों को समाज तक पहुंचाया जा सके।

कॉलेज के छात्रों ने जुझारपुर-देहरी का जियोटैग पेपरलेस सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण किया

इटारसी,देशबन्धु। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग के विद्यार्थियों ने आज ग्राम जुझारपुर का सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण जियोटैग से डिजिटल माध्यम से किया। प्राचार्य डॉ राकेश मेहता ने बताया कि सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण से किसी भी ग्राम के निवासियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति को मापते हैं एवं गांव के विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है।

यह सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से पेपरलेस सर्वे किया। भूगोल विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि यह सामाजिक आर्थिक सर्वे डिजिटल पेपर लेस जियो टैग तरीके से किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थी अपने स्वयं के मोबाइल से गांव के परिवार की सूचना ऑनलाइन फीड करते हैं। इसमें सर्वेक्षण समाप्त होते ही ऑनलाइन गांव का सामाजिक आर्थिक स्तर पता चलता है।

इस सर्वे के आधार पर यह परिणाम आया है कि गांव में 74.7 प्रतिशत लोग ओबीसी समाज से, 12 प्रतिशत एससी समाज से और 8 प्रतिशत एसटी समाज के निवासित हैं। कुल 74 प्रतिशत घरों में प्राथमिक कृषि, 17 प्रतिशत घरों में द्वितीयक तथा 8 प्रतिशत लोग सेवा क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। यहां 18 प्रतिशत लोगों ने उच्च शिक्षा प्राप्त की है जबकि 9 प्रतिशत लोग अभी भी अशिक्षित हैं। सामान्यत: गांव के किसान तीन फसल साल भर में उपजाते हैं एवं ज्यादातर गेहूं धान और मूंग की खेती की जाती है। सिंचाई के प्रमुख साधनों में नहर 58 प्रतिशत एवं ट्यूबवेल 41 प्रतिशत है। अधिकतर किसान (98.3 प्रतिशत) रासायनिक खाद का प्रयोग ज्यादा कर रहे हैं जबकि जैविक खाद का प्रयोग केवल 23 प्रतिशत किसान ही करते हैं।

आंकड़ों के आधार पर हम यह कह सकते हैं कि लगभग 48 प्रतिशत जनसंख्या यहां पर उच्च जीवन स्तर प्राप्त की है। उपरोक्त ग्रामीणों का मुख्य व्यवसाय व्यावसायिक स्तर पर कृषि, सेवा क्षेत्र एवं उच्च श्रेणी के कारखाने में नौकरी करना है। इस प्रकार के लोगों के घरों में फ्रिज, एसी, कूलर, चार पहिया वाहन उपलब्ध है। 33 प्रतिशत लोग सामान्य जीवन स्तर एवं 19 प्रतिशत लोग ही केवल निम्न स्तर जीवन को जी रहे हैं, जिनके पास कच्चा घर है और कोई भी सामाजिक सुविधा जैसे कूलर, दो पहिया वाहन, गैस कनेक्शन की उपलब्धता नहीं है। यह पीने के पानी के लिए कुओं का उपयोग करते हैं। और इनमें से ज्यादातर लोगों (12 प्रतिशत) के पास साफ सफाई की व्यवस्था अच्छी नहीं है। सरकारी योजनाओं की बात करें तो गांव में 20 प्रतिशत लोगों ने आवास योजना, 18 प्रतिशत लोगों ने संबल योजना, 45 प्रतिशत लोगों ने आयुष्मान योजना, 30 प्रतिशत लोगों ने उज्जवला गैस एवं 72 प्रतिशत लोगों ने लाडली बहन योजना का लाभ लिया है। डॉ के आर कोसे ने बताया कि 53 प्रश्नों की अनुसूची के इस सर्वे में बीए एवं एमए के कुल 48 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें ओम सिंह, राजेश्वरी भाटी, शिवानी, रूपा बागची, ज्योति प्रजापति, ज्योतिका आदि विद्यार्थी रहे। इस सर्वेक्षण में ग्राम के सरपंच श्रीमती परते एवं ग्राम के सचिव श्याम चौरे, हायर सेकेंडरी स्कूल के नवीन चौरे, ओपी चौरे एवं ग्राम वासियों ने सकारात्मक सहयोग किया।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

हिंदी के प्रचार प्रसार में उत्कृष्ट योगदान के लिए लगातार दूसरी बार मिला सम्मान

हरदा, देशबन्धु। जिले की सिराली तहसील अंतर्गत खुदिया गांव के युवक को अपने विभाग में हिंदी के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान करने पर लगातार दूसरी बार केंद्र सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है।विदेश मंत्रालय अंतर्गत पासपोर्ट कार्यालय गोवा में वरिष्ठ पासपोर्ट सहायक के पद पर कार्यरत प्रेमसिंह चौहान को राजभाषा नीति के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए विगत दिनों वर्ष 2023-24 के लिए जयपुर में गृह राज्यमंत्री भारत सरकार नित्यानंद राय एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया।पासपोर्ट सहायक प्रेमसिंह चौहान ने बताया कि वर्ष 2022-23 में भी महाराष्ट्र के राज्यपाल द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया था।उन्होंने बताया कि कार्यालय में राजभाषा हिंदी के लिए विशेष प्रयास किए गए है,इसके लिए सहकर्मियो को भी प्रेरित कर कामकाज में हिंदी भाषा का उपयोग किया।उनकी उपलब्धि पर परिजनों,मित्रो ने उन्हें बधाई दी है।

नई स्टार्टअप पॉलिसी से नवाचार और समृद्धि के नए युग की शुरूआत होगी

हरदा, देशबन्धु। मध्यप्रदेश स्टार्टअप पॉलिसी-2025 के साथ नवाचार और समृद्धि के नए युग की शुरूआत होगी। महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र सचिन रोमड़े ने बताया कि मध्यप्रदेश स्टार्टअप पॉलिसी और कार्यान्वयन योजना 2025 के शुभारम्भ के साथ आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को नई गति मिलेगी। यह स्टार्टअप पॉलिसी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्री रोमड़े ने बताया कि इस पॉलिसी के तहत प्रत्येक स्टार्टअप को पहले 12 महीने तक की अवधि के लिए 10 हजार रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जाएगी। वृहद स्तर पर निवेश के लिये 100 करोड़ का स्टार्टअप कैपिटल फंड बनाया गया है। प्रति स्टार्टअप अधिकतम 30 लाख रूपये तक का सीड अनुदान देने का प्रावधान भी इस पॉलिसी में किया गया है। उत्पादन आधारित स्टार्टअप्स के लिए विद्युत शुल्क में छूट दी जायेगी तथा विद्युत टैरिफ में प्रतिपूर्ति सहायता भी दी जाएगी। उन्होने बताया कि मुख्यमंत्री उद्यम कांति योजना के तहत 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान और ऋण गारंटी शुल्क प्रतिपूर्ति की सुविधा भी स्टार्टअप पॉलिसी के तहत दी जाएगी। इसके अलावा प्रदेश के प्रमुख शहरों में अत्याधुनिक मेगा इन्क्युबेशन सेंटर बनाये जायेंगे। साथ ही सेटेलाइट सेंटर भी बनाये जायेंगे। स्टार्टअप्स को दीर्घकालिक स्थिरता देने के लिये मध्यप्रदेश स्टार्टअप एडवाइजरी काउंसिल स्थापित की जाएगी।

टैगोर वार्ड में बनी शहर की एकमात्र पार्किंग, लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

बैतूल, देशबन्धु। शहर की तंग गलियों और पार्किंग की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। विधायक हेमंत खंडेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर और बैतूल के मार्गदर्शन में टैगोर वार्ड के सक्रिय पार्षद नितेश पिंटू परिहार ने शहर की एकमात्र ऐसी जगह को पार्किंग के रूप में विकसित किया है, जहां पहले किसी का ध्यान नहीं गया था। अब यह स्थान पूरी तरह से पार्किंग के लिए तैयार हो गया है, जिससे टैगोर वार्ड के निवासियों सहित गुप्ता माल से एचपी गैस एजेंसी तक आने-जाने वाले लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इस पार्किंग स्थल पर फोर व्हीलर और टू व्हीलर वाहनों के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराई गई है, जिससे लोगों को सड़क किनारे वाहन खड़ा करने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे और सभी ने बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर और पार्षद पिंटू नितेश परिहार का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, राजेश चौहान, दीपू सलूजा, तक्षित सोनारे, सीमांत देशपांडे, गोल्डी चोलिया, रतन गुगनानी, भानु जैन, नरेश टंडन, सुधीर आर्य, राजेश पगारिया, रिचर्ड गोम्स, कपिल आर्य, प्रकाश मदन, रानू लुनिया, वीरेंद्र कुशवाह समेत वार्ड के अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैतूल में विशाल संत महाकुंभ 22 फरवरी को

बैतूल, देशबन्धु। अटल सभा ऑडिटोरियम जेएच कॉलेज में 22 फरवरी को संत शिरोमणि गुरु रविदास का महाकुंभ भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का नेतृत्व एवं मार्गदर्शन विधायक हेमंत खंडेलवाल जी के द्वारा किया जा रहा हैं। यह भव्य आयोजन श्री संत रविदास वेलफेयर सोसायटी ऑफ इंडिया, जिला बैतूल के तत्वावधान में होगा। यह कार्यक्रम सामाजिक एकता और आध्यात्मिकता का अनुपम संगम होगा, जिसमें देशभर से श्रद्धालु और विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन में केन्द्रीय संसदीय बोर्ड सदस्य डॉ. सत्यनारायण जटिया, भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के केन्द्रीय राज्य मंत्री डी. डी. उइके, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम टेटवाल, राज्य वन मंत्री दिलीप अहिरवार, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष लालसिंह आर्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

श्रद्धालुओं के जयकारे बम बम भोले से गूंज रही है पचमढ़ी की वादियां

चौरागढ़ के दुर्गम रास्तों पर दर्शन के लिए उमड रहा है भक्तों का सैलाब

नर्मदापुरम, देशबन्धु। सतपुड़ा की वादियों में बसा पचमढ़ी इन दिनों श्रद्धालुओं के जय कारो बम बम भोले से गूंज रहा है। चारों तरफ श्रद्धालु उत्साह से बम बम भोले का उद्घोष कर रहे हैं। अवसर है पचमढ़ी के चौरागढ़ में लगने वाला शिवरात्रि का मेला। दूर-दूर से आए भक्तजन अपने इष्ट भगवान भोलेनाथ के दर्शनों के लिए हर कष्ट को हंसते हंसने पार कर रहे हैं। चौरागढ़ का रास्ता दुर्गम होने के बावजूद यहां भक्तों का सैलाब भगवान महादेव के दर्शन करने के लिए उमड़ रहा है। दूर-दूर से, नागपुर, अमरावती छिंदवाड़ा, सौसर, नरसिंहपुर जबलपुर से शिव भक्तों का यह रेला निरंतर दर्शनों के लिए आ रहा है और अपने इष्ट के दर्शन कर अपने आप को धन्य समझ रहा है।

पचमढ़ी में एवं चौरागढ़ में दूर-दूर से आए भक्त जनों को कोई असुविधा न हो और वह आसानी से अपने इष्ट देव के दर्शन कर सकें इसके लिए प्रशासन ने स्थान स्थान पर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। मेला स्थल पर मेडिकल की टीम हर पॉइंट पर मौजूद है। यदि कोई मरीज बीमार हो रहा है तो तत्काल उसे उपचार सहायता मिल रही है। सभी व्यवस्थाओं का अधिकारी गणों द्वारा निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। गुरुवार को पिपरिया एसडीएम श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव ने संपूर्ण मेला क्षेत्र एवं अस्थाई बस स्टैंड का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधा देने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। संपूर्ण मेला क्षेत्र में स्वच्छता एवं साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जगह-जगह ब्लीचिंग चूना पाउडर का छिड़काव किया जा रहा है तथा महादेव, गुप्त महादेव, बीड़ क्षेत्र, सीता नहानी, नादिया जंक्शन एवं चौरागढ़ आदि स्थलों पर नगर पालिका के सफाई कर्मी साफ सफाई मुस्तैदी से कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के बीमार होने पर तत्काल उन्हें चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। आज मेले में दर्शन के लिए आए एक श्रद्धालुओं का नदिया जंक्शन के ऊपर कैची पॉइंट पर पैर फिसल जाने के कारण पैर में फैक्चर हो गया। जिसे बड़ी मुस्तैदी से आपदा प्रबंधन की टीम ने मेडिकल टीम के पास पहुंचा कर उनका प्राथमिक उपचार कराया और उन्हें एंबुलेंस के माध्यम से पचमढ़ी के अस्पताल मे भर्ती करवाया।

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखी गई है। लगभग 550 पुलिस के जवान एवं वॉलिंटियर्स जगह-जगह तत्परता से अपनी ड्यूटी कर रहे हैं और अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त आपदा प्रबंधन के 80 जवान, वन विभाग के 11, साडा पचमढ़ी के 10 सफाई कर्मी, मेडिकल टीम के 74 सदस्य, जलप्रदाय शाखा के 23 कर्मचारी, विद्युत विभाग से 26 तथा 45 कोटवार निरंतर अपनी सेवा मेला क्षेत्र में दे रहे हैं । मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं को पर्याप्त मात्रा में पेयजल भी उपलब्ध कराया जा रहा है। कर्मचारी सफाई, उपचार एवं यातायात की सुविधा देने के लिए भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विभिन्न प्वाइंटों पर अधिकारीगण स्थल पर मौजूद रहकर स्वयं व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कर रहे हैं। भक्तों को बस स्टैंड से महादेव मंदिर जाने हेतु जिप्सी वाहन की व्यवस्था की गई है। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए 50 प्रति व्यक्ति किराया रखा गया है। वर्तमान में पचमढ़ी में कुल 228 वाहन परमिट जारी किए गए हैं। उक्त वाहन श्रद्धालुओं को अपने गंतव्य स्थल तक ले जा रहे हैं। महादेव मेला समिति की सचिव एवं एसडीएम श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव एवं अतिरिक्त दंडाधिकारी नर्मदापुरम देवेंद्र कुमार सिंह द्वारा महादेव चौरागढ़ क्षेत्र का निरंतर भ्रमण किया जा रहा है और विभिन्न विभागों के तैनात अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्था से सभी श्रद्धालु प्रसन्न एवं संतुष्ट दिखें।

प्रधान मंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस नर्मदा महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की बैठक संपन्न

नर्मदापुरम, देशबन्धु। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, नर्मदा महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की बैठक गुरुवार को संपन्न हुई। बैठक में महाविद्यालय के विकास एवं आवश्यक सुधारों पर महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इस बैठक में नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, विकास नारोलिया, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती हेमेश्वरी पटले, राजेश शर्मा, महाविद्यालय के प्राचार्य आर. के. चौकसे, अरुण शर्मा सहित जनभागीदारी समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान महाविद्यालय में किए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों एवं आवश्यक मरम्मत कार्यों को संपादित करने हेतु विचार-विमर्श किया गया। प्रमुख बिंदुओं में खेल मैदान में नाले के पानी के फैलाव की समस्या का समाधान करने हेतु नगर पालिका से चर्चा कर निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने, बाउंड्रीवॉल की ऊंचाई बढ़ाने के लिए कटीले तार लगाने तथा साहित्यिक अध्ययन केंद्र की स्थापना हेतु प्रस्तावों पर विचार किया गया। इसके अलावा, महाविद्यालय में शोध कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए सीड मनी स्वीकृति, शैक्षणिक गतिविधियों के लिए आवश्यक बजट आवंटन, प्रशासनिक भवन के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत, ऑडिटोरियम के सुधार कार्य तथा स्थायी सीढ़ी निर्माण पर निर्णय लिए गए। महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर कैटल गार्ड, पार्किंग व्यवस्था तथा बाउंड्रीवॉल की ऊंचाई बढ़ाने की आवश्यकता भी समिति द्वारा जाहिर की गई। बैठक में महाविद्यालय के सेनेटरी फिटिंग, नल-फिटिंग, पानी की टंकी की मरम्मत एवं कंप्यूटर उपकरण, प्रिंटर, सीसीटीवी कैमरों के वार्षिक रखरखाव हेतु आवश्यक बजट की स्वीकृति प्रदान की गई।

साथ ही, महाविद्यालय की वेबसाइट निर्माण, महिला एवं पुरुष टॉयलेट के नवनिर्माण, विभागीय मरम्मत कार्यों एवं नाली निर्माण पर भी चर्चा की गई। एनसीसी, सांस्कृतिक भवन एवं विभिन्न विभागों में पेयजल व्यवस्था, मरम्मत कार्यों तथा खेल मैदानों एवं भवनों के बाहरी व्यक्तियों द्वारा उपयोग पर रोक लगाने से संबंधित मुद्दों पर विचार किया गया। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत नए भवन निर्माण हेतु अनुपयोगी भवनों के डिस्मेंटलिंग का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी एवं जनभागीदारी समिति के सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

मेहरा समाज शिक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बने डॉ. गोहे

बैतूल, देशबन्धु। मेहरा समाज शिक्षा प्रकोष्ठ, मध्यप्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में समाज के योगदान को बढ़ाने और संगठन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न जिलों में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। इसी क्रम में डॉ. संदीप गोहे को भोपाल जिले का जिला अध्यक्ष एवं चंद्रकिशोर बेले को बैतूल जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉ. संदीप गोहे मूल रूप से बैतूल जिले के निवासी हैं और उनकी जन्मस्थली सारनी है। वर्तमान में वे भोपाल में निवास कर रहे हैं और चिकित्सा एवं मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत हैं। वे एक मनोवैज्ञानिक के रूप में करियर काउंसलिंग, परीक्षा के तनाव, कम अंकों से उत्पन्न मानसिक दबाव, नौकरी की चुनौतियों और अभिभावकों को बच्चों के साथ बेहतर संवाद पर मार्गदर्शन प्रदान करते आ रहे हैं। समाज में शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर उनके प्रयासों को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। मेहरा समाज शिक्षा प्रकोष्ठ, मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि डॉ. संदीप गोहे समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा की ज्योति पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण से कार्य करेंगे। इस अवसर पर संगठन के अन्य पदाधिकारियों और समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें शुभकामनाए दीं। उनकी नियुक्ति से समाज में शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता अभियान को और अधिक गति मिलेगी।

पर्यावरणीय अनियमितताओं का आरोप, कलेक्टर से जांच की मांग

बिना अनुमति निर्माण, पहाड़ और नाले को किया खत्म

बैतूल, देशबन्धु। ग्राम सोनाघाटी के खसरा क्रमांक 188/3/3, 196/1/1, 195/2/1/1, 188/3/1, 146/2/3, 194/1/1 एवं अन्य पर बनी रामायण रेसीडेंसी कॉलोनी को लेकर पर्यावरणीय अनियमितताओं की शिकायत की गई है। आवेदक विशाल भालेकर ने कलेक्टर से इसकी जांच कराने की मांग की है।

आवेदक के अनुसार, इस कॉलोनी का निर्माण जय बजरंग इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के भागीदार अभिषेक अग्रवाल और शैलेंद्र अग्रवाल द्वारा किया जा रहा है। आरोप है कि कॉलोनी निर्माण में वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम 1981 तथा जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1974 के तहत आवश्यक अनुमतियां नहीं ली गईं। इसके अलावा, पर्यावरण सम्मति भी प्राप्त नहीं की गई। शिकायत में कहा गया है कि निर्माण कार्य के दौरान एक पहाड़ को अत्यधिक खोद दिया गया, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचा। इतना ही नहीं, कॉलोनी के निर्माण के दौरान एक बरसाती नाले को भी समाप्त कर दिया गया और कई बड़े पेड़ों की कटाई कर दी गई। विशाल भालेकर ने इस संबंध में कलेक्टर से मांग की है कि रामायण रेसीडेंसी की तुरंत जांच कराई जाए और पर्यावरण नियमों के तहत दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कुनबी समाज का अंतर्राष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन 9 मार्च को

बैतूल, देशबन्धु। अखिल भारतीय क्षत्रीय लोणारी कुनबी समाज संगठन द्वारा आगामी 9 मार्च को20वें अंतर्राष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन चपाती केंद्र के पास, ई-सेक्टर, भेल बरखेड़ा में होगा, जिसमें देश-विदेश से कुनबी समाज के युवक-युवती, अभिभावक और समाजजन बड़ी संख्या में भाग लेंगे। यह अवसर संगठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह के रूप में भी मनाया जाएगा।

किसानों से एफएक्यू मापदंड का गेहूं ही खरीदा जाए : प्रमुख सचिव

किसानों को गेहूं उपार्जन के भुगतान मैं अनावश्यक विलंब न किया जाए

नर्मदापुरम, देशबन्धु। प्रमुख सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति श्रीमती रश्मि अरुण शमी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गेहूं उपार्जन कार्य की समीक्षा की। प्रमुख सचिव ने प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर्स को निर्देश दिए की किसानों से गेहूं उपार्जन के समय एफएक्यू के अनुसार ही गेहूं खरीदा जाए। गेहूं खरीदने में समितियां किसी प्रकार के दबाव में ना आए। किसानों से क्वालिटी का गेहूं ही खरीदा जाए। किसानों को प्रेरित किया जाए कि वह साफ सुथरा एवं स्वच्छ गेहूं ही उपार्जन केंद्र तक लाए।

प्रमुख सचिव ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि किसानों को गेहूं भुगतान की राशि देने में अनावश्यक विलंब न किया जाए। जल्द से जल्द स्वीकृति पत्रक तैयार कर किसानों को उपार्जित गेहूं की राशि का भुगतान उनके बैंक खातों में प्राथमिकता से कर दिया जाए। गेहूं उत्पादन कार्य में संलग्न सभी सर्वेयर योग्य एवं उच्च गुणवत्ता वाले हो और पर्याप्त प्रशिक्षित हो। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए की सर्वेयरों का प्रशिक्षण अभी से शुरू करवा दिया जाए और साथ ही उपार्जन केंद्र का निर्धारण में शीघ्र ही कर लिया जाए। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए की कलेक्टर अपने भ्रमण के दौरान वेयरहाउस का निरीक्षण भी लगातार करें साथ ही यदि किसी वेयरहाउस का पिछला भुगतान रुका हुआ है तो तत्काल उसका भुगतान सुनिश्चित करें। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए की सर्वेयर ऐप का कलेक्टर स्वयं अवलोकन करें और देखें कि सर्वेयर एप का सही तरीके से उपयोग हो रहा है कि नहीं। उन्होंने निर्देश दिए कि उपार्जन कार्य में संलग्न सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के मोबाइल नंबर का वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से कर लिया जाए। साथ ही पीडीएस से पात्र हितग्राहियों को जोड़कर उन्हें प्राथमिकता से उचित मूल्य दुकान से राशन दिलाई जाए। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए की उपार्जित स्कंध सबसे पहले शासकीय गोदाम में रखवाया जाए।

नर्मदापुरम संभाग आयुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने बताया कि नर्मदापुरम संभाग में भी 1 मार्च से उपार्जन का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। बैतूल मुलताई एवं प्रभात पट्टन मैं शार्ट वैरायटी की गेहूं है। नर्मदापुरम के टेल एरिया का गेहूं 15 मार्च के बाद ही उपार्जन केंद्र तक आ सकेगा। प्रमुख सचिव ने बताया कि नर्मदापुरम, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में गेहूं की आवक पहले होने लगती है इसलिए 1 मार्च से स्लाट बुकिंग खोली गई है। नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना ने बताया कि जिले में फसल गिरदावरी एवं किसानों का पंजीयन कम हुआ है। इसलिए फसल गिरदावरी एवं किसान पंजीयन को बढ़ाने के लिए विशेष तौर पर प्रयास किए जाएंगे। जिले के वेयरहाउसों में 14 लाख मैट्रिक टन भंडारण की क्षमता है। सरकारी गोदाम में सबसे पहले भंडारण किया जाएगा। जिन वेयरहाउस में पुराना स्कंद अभी भी रखा हुआ है उसकी समीक्षा कर अपग्रेडेशन सुनिश्चित किया जाएगा। जिला एवं उपखंड स्तरीय समिति के सदस्य उपार्जन के दौरान लगातार उपार्जन केन्द्रों का भ्रमण करते हैं और जो समस्या आती है उसका प्राथमिकता से समाधान भी करते हैं। पिछले वर्ष 18 मार्च से उपार्जन कार्य प्रारंभ हुआ था। जिले के किसान कुछ विलंब से उपार्जन केन्द्रों में आते हैं। कलेक्टर ने बताया कि गत वर्ष 2.70 हजार हेक्टेयर में गेहूं बोया गया था, इस वर्ष 2.59 हेक्टेयर में गेहूं बोया गया है। किसानों का चना की ओर रुझान बढ़ा है। चना का रकबा बढ़ा है।

प्रमुख सचिव ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह उपार्जित गेहूं का परिवहन समय सीमा में कराना सुनिश्चित करें। किसानों को भुगतान में भी अनावश्यक विलंब ना हो। स्वीकृति पत्रक प्राथमिकता से जारी करें एवं जिला उपार्जन समिति नियमित रूप से बैठक कर उपार्जन गतिविधि की समीक्षा करें। उपार्जन केन्द्र वार अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई जाए तथा सभी उपार्जन केंद्र नियमित रूप से संचालित होते रहे। किसानों को स्वच्छ साफ उपज लाने हेतु उनके बीच पर्याप्त प्रचार प्रसारित किया जाए। बताया गया कि उपार्जन नीति के अनुसार जिला उपार्जन समिति द्वारा मैपिंग की कार्रवाई की जाएगी। प्रमुख सचिव ने बताया कि सभी परिवहन कर्ताओं को ऑनलाइन परिवहन आदेश जारी किया जाएगा एवं परिवहन कर्ता स्वयं ऑनलाइन बिल्टी जनरेट करेंगे। ऑनलाइन परिवहन आदेश एवं बिल्टी के आधार पर ट्रांसपोर्ट चालान एवं उपार्जन रसीद उपार्जन एप्लीकेशन से जारी की जाएगी। उक्त सभी कार्य पारदर्शी तरीके से अपनाई जाएगी। सभी परिवहन कर्त्ताओं को उपार्जन केंद्र द्वारा धर्म कांटे से तौलकर उपज देनी होगी। परिवहन स्वीकृति पत्र देना होगा।

आंगनवाड़ी प्रतिदिन समय पर खुलनी चाहिए: महिला एवं बाल विकास विभाग की आयुक्त श्रीमती सोफिया फारुकी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की एवं सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए की वह यह सुनिश्चित करें कि जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्र समय पर खुले एवं आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से जो सेवाएं बच्चों एवं गर्भवती माता, धात्री महिलाओं को मिलती है वे सभी सेवाएं अनिवार्य रूप से इन सबको मिले। कमिश्नर सोफिया फारूकी ने बताया कि सभी अनुमानित बच्चो की संख्या पोषण ट्रैकर ऐप में अपलोड करनी है। पोषण ट्रैकर ऐप में आधार सत्यापित हितग्राहियों के फेस कैप्चर एवं ई केवाईसी की स्थिति शत प्रतिशत करवानी है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा 1 अप्रैल से एफ आर एस को अनिवार्य किया जा रहा है। उन्होंने सभी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देशित किया कि वह आंगनबाड़ी में तीन मूलभूत सुविधाएं स्वच्छता, पेयजल एवं विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। यदि कोई आंगनबाड़ी भवन निजी भवन में लग रहा है और वहां पर यह सुविधा नहीं है तो आंगनबाड़ी केंद्र को सुविधा संपन्न दूसरे भवन में शिफ्ट किया जाए।

22 हृदय रोगियों को मिलेगा मुफ्त इलाज, शिविर में 64 बच्चों का हुआ पंजीयन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मप्र सरकार की एक बड़ी पहल है कि 0 से 18 वर्ष आयु तक के बच्चे अगर दिल हार्ट की किसी भी बीमारी से ग्रसित है तो उनका आयुष्मान योजना एवं राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत नि:शुल्क उपचार होगा। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के दिशा निर्देश और सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार की देखरेख में गुरुवार को जिला समर्पण केन्द्र में एलएन मेडिकल कॉलेज एण्ड जेके हॉस्पिटल भोपाल की टीम द्वारा जिले के सभी ब्लाक से आये आरबीएसके टीम द्वारा चिन्हित 0 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के हार्ट संबंधी बीमारी वाले बच्चों के लिये जांच एवं परीक्षण शिविर आयोजित किया। जिसमें 64 हितग्राहियों का पंजीयन हुआ। सभी पंजीकृत बच्चों के जाँच परीक्षण उपरांत 22 बच्चें जो हार्ट से संबंधित बीमारी से ग्रसित पाए गए उनके उच्च इलाज हेतु एलएन मेडिकल कॉलेज एण्ड जेके हॉस्पिटल भोपाल भेजा जा रहा हैं। जहाँ सभी बच्चों का आयुष्मान एवं आरबीएसके योजना से निशुल्क उपचार ऑपरेशन किया जायेगा। शिविर में जिला अस्पताल से डॉ. सुनील जैन एमडी, कविता साल्वे, मैनेजर एवं भोपाल से आये डॉ पुष्पेंद्र पुर्विया, कु. कुमकुम, गोविन्द मीना, ब्लॉक स्तरीय आरबीएसके दल एवं जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र के समस्त स्टॉफ का सहयोग रहा।

न्यायालय तहसीलदार इटारसी जिला नर्मदापुरम

दिनाँक 17/02/2025

उद्घोषणा

3 सर्वसाधारण एवं आम जनता ग्राम इटारसी को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद इटारसी जिला नर्मदापुरम द्वारा इटारसी स्थित भूमि शीट नं. 14 सर्वे नं0 79/2 रकबा 6439.49814 वर्गमीटर में से 3252.7881 वर्गमीटर भूमि स्थानीय निकाय को वर्तमान बस स्टैंड हेतु भूमिस्वामी हक में भूमि आवंटन/नजूल भूमि का स्थाई पटटा स्वंय / संस्था के नाम से चाह गया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में प्रचलित होकर सुनवाई हेतु दिनांक 28.02.2025 के लिए नियत है। अत: उक्त भूमि आवंटन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो या कोई अपना हित रखता हो तो आपत्ति हेतु नियत दिनाक 28.02.2025 को स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी आपत्तियां देवे । नियत दिनांक उपरांत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 17.02.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार
इटारसी

नर्मदापुरम, शुक्रवार 21 फरवरी 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

दिल्ली में कांग्रेस से बड़ी रेखा खींचनी होगी भाजपा को

दिल्ली विधानसभा चुनाव के 8 फरवरी को घोषित नतीजों में जीत हासिल करने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने लगभग दो सप्ताह लगाये कि मुख्यमंत्री पद पर कौन विराजेगा। आखिरकार 19 फरवरी को मुख्यमंत्री पद के लिए रेखा गुप्ता का नाम तय हुआ और 20 फरवरी को रामलीला मैदान में एक भव्य समारोह में रेखा गुप्ता ने 6 मंत्रियों के साथ शपथ ली। मुख्यमंत्री चुनने के लिये इतना अधिक समय सम्भवत: पहली बार उस भाजपा ने लिया जो अपने फैसले लागू करने के लिये इस मायने में मशहूर है कि उसका कोई विरोध नहीं कर सकता। फिर भी, इतना वक्त लेना बतलाता है कि रेखा गुप्ता का चयन आसानी से नहीं हुआ है।

कहा जाता था कि इस पद के लिये प्रवेश वर्मा का नाम सबसे ऊपर था जो कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और अपने वक्त के कद्दावर नेता साहिब सिंह वर्मा के पुत्र हैं। जिस दिन नतीजे निकले थे, वे नयी दिल्ली सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल (आम आदमी पार्टी) को हराते ही केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने चले गये थे। उनकी शाह से नज़दीकी सर्वज्ञात है लेकिन जब मुख्यमंत्री चुनने की बारी आई तो उन्हें इस दौड़ से बाहर किया गया और उनके साथ ही दिल्ली के दूसरे कद्दावर भाजपा विधायक भी किनारे ही रहे। दूसरी ओर रेखा गुप्ता पहली बार ही शालीमार बाग विधानसभा सीट से जीत कर आई हैं। समझा जाता है कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के पीछे संघ की सलाह रही। हालांकि रेखा गुप्ता के नाम पर भाजपा ने कुछ निशाने साधे हैं। केजरीवाल की तरह रेखा हरियाणा (जीन्द) से हैं और वैश्य समुदाय की हैं जो भाजपा का पक्का समर्थक वर्ग है। फिलहाल भाजपा में ब्राह्मण (राजस्थान में भजनलाल शर्मा व असम में हिमंता बिस्वा सरमा) से लेकर आदिवासी (छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय) और अन्य पिछड़ा वर्ग (मध्यप्रदेश में मोहन यादव व हरियाणा में नायब सिंह सैनी) हैं, लेकिन वैश्य समुदाय का कोई नहीं था। यह कमी भी दूर हो गयी।

भाजपा शासित जितने भी प्रदेश हैं उनमें महिला मुख्यमंत्री किसी में नहीं हैं। अब वसुंधरा राजे के बाद रेखा गुप्ता तीसरी महिला मुख्यमंत्री भाजपा से बनी हैं। राजस्थान चुनाव में जीत हासिल करने के बाद वहां इस पद की सबसे मजबूत दावेदार वसुंधरा राजे सिंधिया की बजाये जब भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाया गया था। संदेश गया था कि भाजपा एक ओर तो महिला आरक्षण व उनके सम्मान की बात करती है तो दूसरी ओर महिला को महत्वपूर्ण पद से हटाकर उनका अपमान करती है। रेखा गुप्ता को लाना उस दाग को मिटाने का प्रयास कहा जा सकता है। वहीं केजरीवाल के जेल जाने के बाद दिल्ली में तीसरी महिला मुख्यमंत्री के तौर पर आतिशी ने काम संभाला था। रेखा गुप्ता दिल्ली में सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी के बाद चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं।

तीन बार पार्षद व दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की मेयर रह चुकीं रेखा गुप्ता छात्र राजनीति से आई हैं। वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ी रहीं और दिल्ली विश्वविद्यालय की पहले महासचिव और बाद में अध्यक्ष बनी थीं। इस नाते वे युवा व छात्र वर्गों के बीच भी रास्ता बनाती हैं जो पार्टी को लाभ पहुंचाएगा। वे इस समय पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और दिल्ली के नगरीय निकाय में भी विभिन्न पदों पर रह चुकी हैं।

एक और कारण यह भी माना जाता है कि क्यों वे इस पद के सर्वथा योग्य हैं, तो वह है उनके आक्रामक तेवर और भाषावली। सोशल मीडिया पर उनके वे पुराने ट्वीट तैर रहे हैं जो उन्होंने केजरीवाल के खिलाफ पोस्ट किये थे। अमर्यादित व कई नफ़रती पुरुषों को भी लजा देने वाले शब्दों से उन्होंने केजरीवाल को नवाज़ा था। ऐसी महिला को यह पद प्रदान करना बतलाता है कि भाजपा में ऊंचा पद पाने के लिये यह भी एक योग्यता है। हालांकि मंत्री बने कपिल मिश्रा और प्रवेश वर्मा भी अपने कटु बयानों के लिये जाने जाते हैं लेकिन भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने रेखा की भाषा को अधिक प्रभावशाली समझा होगा।

दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा की सरकार आने पर अब आप के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल, पूर्व उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन आदि पराजित हो चुके हैं और आप की पूर्ववर्ती सरकार के कामों का बचाव करने वाले प्रभावी लोग सदन में रहेंगे नहीं। शराब घोटाले की तलवार पहले से चल रही है। सत्येन्द्र जैन के खिलाफ मनी लॉड्रिंग का मामला चलाने की राष्ट्रपति से मंजूरी दो दिन पहले ही मिल गयी है और वे चुनाव भी हार चुके हैं। नयी मुख्यमंत्री और दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना मिलकर दिल्ली का कितना विकास करते हैं, यह तो वक्त ही बतायेगा परन्तु दोनों मिलकर आप को नेस्तनाबूद करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे- यह तय माना जा रहा है, क्योंकि उसने भाजपा को तीन बार परास्त किया है। कांग्रेस की स्थिति सदन में तो शून्य है, यहां और सदन के बाहर उसे आप का ही सफाया करने की ज़रूरत है जिसके बाद वह खुद को लम्बे समय तक एकछत्र राज करने के काबिल मान रही होगी।

फिर भी, रेखा गुप्ता के सामने कई चुनौतियां हैं। पहली तो है जनहित के मुद्दों को आप ने प्रमुख विमर्श बना दिया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क आदि को लेकर उन्हें ठोस कार्य करने होंगे जिसकी भाजपा आदी नहीं है। कुछ अन्य राज्यों में तो यह चल सकता है लेकिन दिल्ली में उन्हें ठोस नतीजे देने होंगे। आप ने कई सेवाएं या तो मुफ्त कर दी थीं अथवा रियायती दर पर। इन्हें जारी रखना भाजपा की नयी सरकार के लिये चुनौती होगी। यमुना नदी की सफाई भी बड़ा मुद्दा है जहां नयी सरकार को कुछ कर दिखाना होगा। कांग्रेस नहीं है पर उसकी सरकार के दौरान शीला दीक्षित के किये काम आज भी बेंचमार्क हैं। उनसे बड़ी रेखा खींचनी होगी रेखा गुप्ता को।

चुनाव आयोग के साथ विपक्ष के समीकरणों में तनाव बोया गया

■ के रवींद्रन

नये मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति के इर्द-गिर्द विवादास्पद परिस्थितियों ने कांग्रेस पार्टी और चुनाव आयोग के बीच अविश्वास की भावना को जन्म दिया है। इससे मुश्किल और तनावपूर्ण संबंधों वाली परिस्थिति बन गयी है। तनाव पहले से भी था जो तब और बढ़ गया जब राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से अपनी असहमति व्यक्त की, जिससे इस अविश्वास को संस्थागत रूप मिला। हालांकि उन्होंने नियुक्त व्यक्ति पर सीधे व्यक्तिगत हमले करने से परहेज किया, लेकिन चयन प्रक्रिया के बारे में उनकी चिंताओं ने एक अपरिहार्य दरार पैदा कर दी है। एक प्रमुख राजनीतिक दल और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार एक संस्था के बीच ऐसा सम्बंध लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और जनता के विश्वास को कमजोर करने का खतरा पेश करता है।

राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग के बीच अविश्वास कोई नयी बात नहीं है, लेकिन मौजूदा परिदृश्य विशेष रूप से अनिश्चित स्थिति प्रस्तुत करता है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में हेरफेर की संभावना के बारे में लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को देखते हुए, सीईसी की नियुक्ति में पक्षपात की कोई भी धारणा केवल संदेह को और बढ़ाती है। विपक्ष का यह तर्क कि ईवीएम का दुरुपयोग किया जा सकता है, पहले से ही एक गहरी ध्रुवीकृत बहस को जन्म दे चुका है, जिसमें चुनावी प्रक्रिया पर आरोप-प्रत्यारोप का असर हो रहा है। नये सीईसी, जिनकी नियुक्ति पर ही सवाल उठाये गये हैं, अब खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं, जहां उन्हें न केवल निष्पक्षता सुनिश्चित करनी है, बल्कि अपनी निष्पक्षता के बारे में संदेह करने वालों को भी आश्वस्त करना है। यह एक ऐसा बोझ है, जिसे टाला जा सकता था, अगर चयन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होती या इस तरह से संचालित की जाती कि राजनीतिक पैंतरेबाजी के आरोपों की कोई गुंजाइश न होती।

विवाद से उत्पन्न होने वाली प्राथमिक चिंताओं में से एक यह है कि चयन समिति के विचार-विमर्श को सार्वजनिक करने का तरीका क्या है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के विपरीत, जो अपनी आंतरिक चर्चाओं के बारे में सख्त गोपनीयता बनाये रखता है, सीईसी की नियुक्ति की प्रक्रिया इस तरह से की गयी कि असहमति को सार्वजनिक होने दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से निर्णय दिया है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया की अखंडता को बनाये रखने के लिए कॉलेजियम के विचार-विमर्श को गोपनीय रखा जाना चाहिए। यह सिद्धांत सुनिश्चित करता है कि मतभेद सार्वजनिक विवादों में न बदल जाएं जो अंतिम निर्णय की वैधता को कमज़ोर कर सकते हैं। यदि इस मामले में भी यही विवेक लागू किया गया होता, तो खंडित निर्णय लेने की प्रक्रिया की सार्वजनिक धारणा से बचा जा सकता था, और चुनाव आयोग को नियुक्ति के बाद होने वाली विश्वसनीयता के तत्काल नुकसान से बचाया जा सकता था।

ऐसी नियुक्तियों में गोपनीयता का तर्क संस्थाओं की पवित्रता बनाये रखने की आवश्यकता में निहित है। एक बार जब चयन प्रक्रिया सार्वजनिक विवाद से दूषित हो जाती है, तो नियुक्त व्यक्ति को अपनी वास्तविक योग्यता या ईमानदारी की परवाह किए बिना संदेह के बादल के

> **ऐसी नियुक्तियों में गोपनीयता का तर्क संस्थाओं की पवित्रता बनाये रखने की आवश्यकता में निहित है। एक बार जब चयन प्रक्रिया सार्वजनिक विवाद से दूषित हो जाती है, तो नियुक्त व्यक्ति को अपनी वास्तविक योग्यता या ईमानदारी की परवाह किए बिना संदेह के बादल के नीचे रहकर ही काम करना पड़ता है।**

नीचे रहकर ही काम करना पड़ता है। एक संस्था के रूप में चुनाव आयोग जनता के विश्वास पर बहुत अधिक निर्भर करता है। यदि चुनाव प्रक्रिया में प्रमुख हितधारकों में से एक – विपक्ष– चुनावों की देखरेख के लिए नियुक्त व्यक्ति में स्पष्ट अविश्वास व्यक्त करता है, तो यह नियुक्त व्यक्ति के लिए अपनी तटस्थता साबित करने के लिए लगभग दुर्गम चुनौती पैदा करता है। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सार्वजनिक जांच जरूरी है, लेकिन पारदर्शिता और प्रक्रिया को राजनीतिक विवाद में फंसने देने में अंतर है। विवाद तो केवल संस्थागत अधिकार को कम करता है और आगे के संघर्ष को बढ़ावा देता है।

मौजूदा संकट देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं को प्रभावित करने वाली एक गहरी अस्वस्थता का भी संकेत है। अगर विपक्षी दलों को लगता है कि किसी प्रमुख अधिकारी को चुनने की प्रक्रिया से समझौता किया गया है, तो वे चुनाव आयोग के प्रति और अधिक प्रतिकूल दृष्टिकोण अपनाने की संभावना रखते हैं, न केवल इस मामले में बल्कि उसके बाद आने वाले हर फैसले में। इससे संस्थागत अधिकार का क्षरण होता है, जहां चुनाव आयोग के हर फैसले, निर्देश या स्पष्टीकरण को पक्षपात के चश्मे से देखा जाता है। लोकतंत्र सबसे अच्छा तब काम करता है जब संस्थाएं निर्विवाद वैधता का एक उच्च स्तर बनाये रखती हैं। अगर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को बार-बार चुनौती दी जाती है, तो चुनावी लोकतंत्र की नींव ही खतरे में पड़ जाती है।

यह भी एक अतिरिक्त जटिलता है कि यह घटनाक्रम भविष्य के चुनावों को कैसे प्रभावित करेगा। विपक्ष को पहले से ही चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का संदेह है, इसलिए वह चुनाव आयोग के खिलाफ अपनी बयानबाजी को और तेज कर देगा, जिससे ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है कि चुनाव के नतीजों पर ही सवाल उठ सकते हैं। यह एक खतरनाक मिसाल है, क्योंकि यह न केवल चुनाव आयोग की भूमिका को अमान्य करता है, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे को भी कमजोर करता है। अगर राजनीतिक दल चुनाव अधिकारियों के चयन में कथित पूर्वाग्रहों के आधार पर चुनाव के नतीजों को स्वीकार करने से इनकार करते हैं, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया ही अस्थिर हो जाती है।

यह महत्वपूर्ण है कि लोकतंत्र में,प्रक्रियाएं न केवल निष्पक्ष होनी चाहिए बल्कि निष्पक्ष भी दिखनी चाहिए। सीईसी की नियुक्ति पर विवाद को कम किया जा सकता था यदि व्यापक परामर्श होता, अधिक समावेशी चयन प्रक्रिया होती, या कम से कम, चयन समिति के भीतर असहमति को अधिक चतुराई से संभाला जाता। यह धारणा कि प्रक्रिया राजनीति से प्रेरित थी, ने वर्तमान अविश्वास को जन्म दिया है, और एक बार जनता का विश्वास डगमगा गया, तो इसे बहाल करना बहुत मुश्किल हो जाता है। भविष्य में ऐसे विवादों का एक संभावित समाधान प्रमुख संवैधानिक पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए अधिक मजबूत और व्यापक रूप से स्वीकृत तंत्र की स्थापना है।

जबकि चयन प्रक्रिया में विपक्ष को शामिल करने का सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय अधिक निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए था, लेकिन विडंबना यह है कि इससे अधिक सार्वजनिक कलह पैदा हुई है। यदि ऐसी नियुक्तियां सार्वजनिक असहमति से प्रभावित होती रहती हैं, तो विवादों को केंद्र में आने देने के बजाय प्रक्रिया को ही परिष्कृत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। शायद अधिक आम सहमति से संचालित दृष्टिकोण, जहां तटस्थ संवैधानिक विशेषज्ञों सहित कई हितधारक चयन में भूमिका निभाते हैं, अधिक व्यापक रूप से स्वीकृत परिणाम सुनिश्चित कर सकता है।

इसके अतिरिक्त, चुनाव आयोग को जनता का विश्वास बहाल करने के लिए सक्रिय कदम उठाने चाहिए। इसमें चुनावी ईमानदारी के बारे में चिंता जताये जाने पर स्पष्ट और निर्णायक हस्तक्षेप करना शामिल है। विवाद की मौजूदगी मात्र से आयोग को ठोस कार्रवाई के माध्यम से अपनी स्वतंत्रता का दावा करने से नहीं रोकना चाहिए। शब्दों के बजाय कार्रवाई के माध्यम से निष्पक्षता के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करना संदेहियों को आश्वस्त करने में महत्वपूर्ण होगा। इसमें चुनावों के लिए मजबूत निगरानी तंत्र, इसके आंतरिक कामकाज में अधिक पारदर्शिता और चुनावी कदाचार के आरोपों पर अधिक सख्त प्रतिक्रिया शामिल हो सकती है।

राजनीतिक दलों, विशेष रूप से विपक्ष, के लिए यह भी अनिवार्य है कि वे अपनी प्रतिक्रिया को इस तरह से मापें कि संस्थाओं को जनता के विश्वास को पूरी तरह खत्म किये बिना जवाबदेह बनाया जा सके। जबकि चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक विमर्श की सीमा के भीतर है, किसी संस्था को पूरी तरह से बदनाम करने के दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं। यदि चुनाव आयोग को लगातार सत्तारूढ़ दल के विस्तार के रूप में चित्रित किया जाता है, तो उसके लिए प्रभावी ढंग से काम करना मुश्किल हो जाता है। विपक्ष को संस्था को पूरी तरह से अवैध ठहराये बिना वैध चिंताओं को उजागर करने का तरीका खोजना चाहिए।

अस्मिता और विरासत का उत्सव: अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

अपनी भावनाओं और संवेदनाओं को व्यक्त करने में हमारी मातृभाषा सबसे प्रभावी माध्यम है, क्योंकि यह भावनात्मक रूप से हमें एक सूत्र में जोड़ती है और 'सगेपन' का अहसास कराती है। विभिन्न शोधों के निष्कर्ष यह दर्शाते हैं कि जो लोग अपनी मातृभाषा में दक्ष हैं, वे आमतौर पर शैक्षणिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। यह उनकी कुशलता के लाभों को दर्शाता है। यही मूल कारण है कि शिक्षाविद प्राथमिक शिक्षा में मातृभाषा को शिक्षण का माध्यम बनाने को प्राथमिकता देते हैं ताकि छात्र अपने अकादमिक जीवन में बेहतर कुशलता और सफलता अर्जित कर सकें।

इसमें अब कोई दो राय नहीं कि हमारी और आपकी मातृ भाषाएं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और समाज को सशक्त बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। वैश्विक भाषा परिदृश्य की यदि बात करें तो पूरे विश्व में लगभग 8,324 भाषाएं बोली जाती हैं। गौरतलब है कि इनमें से कई वैश्वीकरण और सामाजिक परिवर्तनों के कारण विलुप्त होने के कगार पर हैं। यह बेहद चिंता की बात है कि हर दो सप्ताह में एक भाषा लुप्त हो जाती है, जिससे हमारी अनूठी संस्कृतियां और परंपराएं खतरे में पड़ जाती हैं। अमेरिकी भाषाविद केनेथ एल. हेल ने एक बार कहा था, 'जब आप एक भाषा खो देते हैं, तो दरअसल आप एक संस्कृति, बौद्धिक संपदा और अपनी एक कला को खो देते हैं।'

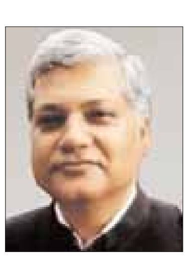

डॉ. शुभंकर मिश्र

> **आज के वैश्विक युग में एक से अधिक भाषाओं में दक्षता हासिल करना एक कौशल है, जिसकी कि हम सबको विशेष ज़रूरत है। यह एक तरह की विशेष योग्यता है जिनका इस युग में बहुत अधिक महत्व है। हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा में संवाद करने और बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने का पूरा अधिकार है।**

यह अच्छी बात है कि भाषाई विविधता में तेजी से आ रही गिरावट को अब खुलकर स्वीकार किया जाने लगा है और प्रमुख और अल्पसंख्यक भाषाओं के बीच की चिंताओं पर अब चर्चा की जाने लगी हैं। परिणामस्वरूप, हाल के वर्षों में संकटग्रस्त भाषाएं, शैक्षणिक अनुसंधान और सामुदायिक पहलों का केंद्र बन गई हैं, जिनका उद्देश्य उनको संरक्षित और पुनर्जीवित करना है।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस बहुभाषावाद की सुरक्षा के महत्व को पुन: स्थापित करता है। यह भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए हर साल 21 फरवरी को मनाया जाता है। यूनेस्को ने इस दिन की घोषणा 17 नवंबर 1999 को की थी, और इसे पहली बार 21 फरवरी 2000 को मनाया गया। सन् 2002 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित कर आधिकारिक रूप से इस दिन को मान्यता प्रदान किया। यह अवसर विश्व स्तर पर बोली जाने वाली विविध भाषाओं का जश्न मनाने का अवसर प्रदान करता है।

बीते वर्षों में, अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के माध्यम से मातृभाषा और बहुभाषी शिक्षा के विभिन्न सरोकारों पर किया गया, जिनमें 'समाज और शिक्षा में समावेशन के लिए बहुभाषावाद को बढ़ावा देना' (2021), 'बहुभाषी शिक्षा के लिए तकनीक का उपयोग: चुनौतियां और अवसर' (2022),'शिक्षा परिवर्तन के लिए बहुभाषी शिक्षा: एक आवश्यकता' (2023), 'बहुभाषी शिक्षा: सीखने और पीढ़ीगत आदान-प्रदान का एक स्तंभ' (2024) उल्लेखनीय हैं।

इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की 25वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है, जो भाषा संरक्षण के महत्व के प्रति हमारे सरोकारों को उजागर करती हैं, ताकि सांस्कृतिक विरासत व भाषिक विविधताओं को सुरक्षित रखा जा सके और एक समावेशी समाज का निर्माण संभव हो सके। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य का समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना और सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना है। यह लक्ष्य विशेष रूप से शिक्षा तक पहुंच और गुणवत्ता में असमानताओं को कम करने की आवश्यकता पर विशेष बल देता है। इसके अलावा, इस क्रम में एसडीजी 4.6 का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी युवा और वयस्क, पुरुष और महिलाएं— साक्षरता और अंक ज्ञान का बुनियादी कौशल आसानी से हासिल कर सकें।

'बहुभाषावाद' हमारे जीवन के कई पहलुओं को प्रभावित करता है। यह केवल संचार और शिक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र के द्वारा निर्धारित अन्य सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से भी जुड़ा हुआ है। एसडीजी 5, सभी महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है। एसडीजी 10 असमानताओं को दूर करने पर केंद्रित है। एसडीजी 16 शांति, न्याय और मजबूत संस्थानों को बढ़ावा देता है। विकास के ये लक्ष्य परोक्ष-अपरोक्ष रूप से मातृभाषा और बहुभाषा के छोटे-बड़े प्रश्नों से जुड़े हुए हैं।'बहुभाषावाद' के व्यापक प्रभावों को समझने में गाहे-बगाहे हमें इनकी मदद लेनी ही पड़ती है। इस महत्वपूर्ण दिन का उत्सव हमें बहुभाषावाद और विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों के बीच परस्पर के संबंधों की खोज और आपसी समझ विकसित करने का एक बेहतर अवसर प्रदान करता है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए मातृभाषा का उपयोग बेहद महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्य से, कई देश अभी भी एकभाषी शिक्षा-प्रणाली को अपना रहे हैं, जिनसे छात्रों का साक्षरता कौशल अनपेक्षित रूप से प्रभावित होता है। यूनेस्को द्वारा प्रकाशित 'वैश्विक शिक्षा निगरानी' रिपोर्ट के तहत प्रकाशित नीति-पत्र, जिसका शीर्षक है- 'अगर आप समझ नहीं पाएँगे, तो सीखेंगे कैसे?' में इस बात पर इस बात की गंभीर चर्चा है कि दुनिया भर में 40 प्रतिशत लोग अपनी मातृभाषा में शिक्षा से वंचित हैं, जिससे एक असमान शैक्षिक वातावरण का निर्माण हो रहा है।

विदित ही है कि भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है। इसकी विशाल भौगोलिक सीमा में यही कोई 120 से अधिक भाषाएं और बोलियां प्रचलित हैं। सन् 2011 की भारतीय जनगणना के अनुसार, हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, जिसके लगभग 52.83 करोड़ वक्ता हैं, जो देश की कुल जनसंख्या का 43.63 प्रतिशत हैं। हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, जो इसकी व्यापक लोकप्रियता को दर्शाती है। संस्कृत से गहरे रूप से जुड़ी और उर्दू के काफ़ी करीब हमारी हिंदी वर्षों से 'जन-भाषा' के रूप में भारत और अन्य देशों की विभिन्न संस्कृतियों को एकजुट करने का कार्य कर रही है।

आज के वैश्विक युग में एक से अधिक भाषाओं में दक्षता हासिल करना एक कौशल है, जिसकी कि हम सबको विशेष ज़रूरत है। यह एक तरह की विशेष योग्यता है जिनका इस युग में बहुत अधिक महत्व है। हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा में संवाद करने और बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने का पूरा अधिकार है। दक्षिण अफ्रीका के प्रथम राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने एक बार कहा था, 'यदि आप किसी व्यक्ति से ऐसी भाषा में बात करते हैं, जिसे वह समझता है, तो वह उसके केवल दिमाग तक जाती है, लेकिन यदि आप उससे उसकी मातृभाषा में बात करते हैं, तो वह उसके दिल की गहराइयों तक पहुंचती है।' उनकी यह उक्ति इस बात पर बल देता है कि किसी व्यक्ति से उसकी मातृभाषा में संवाद करने से वह उससे अधिक प्रभावी रूप से जुड़ सकेगा। हमारी सांस्कृतिक और भाषाई विविधता एक बहुमूल्य धरोहर है, जिसे हमें संरक्षित करना चाहिए। बोलने, सुनने, पढ़ने और लिखने के माध्यम से अपनी भाषाओं को अपनाना हमें अपनी विरासत और अस्मिता को जानने-समझने का अवसर प्रदान करता है। यह समाज में दूसरों के साथ एक गहरे स्तर पर संबंध स्थापित करने में हमारी मदद करता है।

(लेखक विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस में उपमहासचिव के रूप में भारत सरकार के प्रतिनिधि हैं। इस लेख में व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं।)

ललित सुरजन की कलम से

भारत : बुजुर्गों का ख्याल

यूरोप-अमेरिका के देशों में नागरिक वृध्दावस्था में एकाकीपन झेलने के लिए अभिशप्त होते हैं, यह मैंने देखा है। वृध्दाश्रम में रहते हुए वे अपनी जमीन से पूरी तरह उखड़ जाते हैं। वे तरसते हैं कि बेटे-बेटी, नाती-पोते उनसे मिलने के लिए आएं। वहां स्काउट और रोटरी क्लब आदि संस्थाएं स्कूल के बच्चों को वृध्दाश्रम ले जाने का कार्यक्रम भी बनाती हैं ताकि उन रहवासियों को कुछ देर के लिए उत्फुल होने का अवसर मिल सके। घंटे दो घंटे के लिए सही उनका सूनापन तो कम हो। अभी चालीस साल पहले तक भारत में ऐसी स्थिति नहीं थी। हम सचमुच अपनी संयुक्त परिवार प्रथा पर अभिमान करते थे, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था में आए बदलावों से हम भी नहीं बच पाए और वह स्थिति आ ही गई जब मां-बाप एक शहर में और बच्चे नौकरी करने के लिए दूसरे शहर में। उन्हें आपस में मिलने के अवसर भी कम होते गए हैं तथा जरूरत पड़े तो बूढ़े लोगों की देखभाल पड़ोसी ही करते हैं। बच्चों को तो काम से छुट्टी ही नहीं मिलती।

(देशबन्धु में 28 अगस्त 2013 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2013/08/blog-post_9983.html

पावन प्रसंग

समस्त विकास का साधन है शिक्षा

भारत में नालंदा और तक्षशिला जैसी विश्वस्तरीय शैक्षिक संस्थाओं, गुरुकुलों, विद्यालयों और गांव-गांव में फैले स्कूलों की श्रृंखलाओं वाली समाज पोषित शिक्षा व्यवस्था को अंग्रेज शासन द्वारा विधिपूर्वक तहस-नहस किया गया। विकसित ज्ञान क्षेत्रों और उनके उपयोग की सारी व्यवस्था को अंग्रेजों ने अपने हित में परे धकेल कर अपने ही घर में विस्थापित कर दिया था साथ ही उसमें से अपनी पसंद के रुचिकर ज्ञान को जीवन से काटकर जड़ बने इतिहास को समर्पित कर संग्रहालय की वस्तु बना दिया था। यह भारत में शिक्षा के एक शून्य के निर्माण के लिए हुआ, ताकि सिरे से शिक्षा का एक नया प्रासाद निर्मित हो। इस शून्य को अपने एजेंडे के अनुसार अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था से भरा गया, ताकि शिक्षा का नवनिर्माण हो कि अंग्रेजी विचार-पद्धति और ज्ञान भारतीय चिंतन और ज्ञान का स्थान प्राप्त कर ले। भारतीय मानस के कायाकल्प की उनकी योजना सफल भी हुई। अंग्रेजी उपनिवेश के दौरान शिक्षा का जो ढांचा लादा गया, वह उपनिवेश के उपरांत स्वतंत्र भारत में प्रश्नांकित होने की जगह ठीक ठहराया गया और आंख मूंदकर आत्मसात कर लिया गया। ऐसा भी नहीं था कि विसंगतियों पर ध्यान नहीं दिया गया। इनकी समीक्षा के लिए विचार- विमर्श हुआ, राधाकृष्णन और कोठारी आयोगों और राममूर्ति समिति आदि के प्रतिवेदनों के माध्यम से बहुत संस्तुति भी हुई। ऐसे विचार अभी भी जारी हैं, पर अधिकांश ठंडे बस्ते में है। ज्ञान में पश्चिमी वर्चस्व बरकरार है। विभिन्न विषयों में सिद्धांत, अवधारणाएं और विचार पहले यूरोप और बाद में अमेरिका से प्रचुर मात्रा में आयातित हुए और उन्हीं के खांचे में फिट कर हमने स्वयं को देखना शुरु किया। इस प्रक्रिया में हमारे द्वारा जिस सामाजिक यथार्थ का निर्माण हुआ वह केवल भ्रम का कारण बना और हम यथार्थ के साथ न्याय नहीं कर सके। देश और काल की सीमाओं को भुलाकर वैज्ञानिकता के घने आवरण में हमारी आधी-अधूरी समझ में पश्चिमी ज्ञान को ही सार्वभौमिक ज्ञान का दर्जा दिया गया। दर्शन, विज्ञान और साहित्य की सारी की सारी भारतीय उपलब्धियां अंधकार में लुप्त होने को अभिशप्त होती चली गई।

हालांकि सरकारी और औपचारिक ज्ञान की श्रेणी से बहिष्कृत होने पर भी लोकजीवन में टूटे बिखरे और बदले रूपों में उसके अवशेष देखे सुने जा सकते हैं। योग, संगीत, चित्रकला, आयुर्वेद और आध्यात्मिक ज्ञान के क्षेत्र में उनका बाजार, कुछ चमक जरूर रहा है, पर ज्ञान की स्वीकृत परिपाटी में उनकी कोई जगह नहीं है। उनकी स्वीकृति अभी भी दोयम या तीसरे दर्जे की ही है। कटु वास्तविकता यह है कि ज्ञान विज्ञान की अपनी परंपरा को अनानश्यक ठहराकर व्यर्थ बना दिया गया है।

-अखंड ज्योति

आपके पत्र

दिल्ली की मुख्यमंत्री को अनेक रेखाओं को पार करना होगा, उनके लिए बड़ी चुनौती

केजरीवाल का दस साल के शासन के बाद अब दिल्ली की कमान नवनिर्वाचित रेखा गुप्ता को सौंपी गई है। उनके शपथ ग्रहण के बाद अब मुख्यमंत्री पर राजधानी दिल्ली सहित देश की नजर है। अब विकास के सोपान तय करने होंगे। मुख्यमंत्री को उन घोषणाओं और वादों को पूर्ण करना होगा, जो चुनाव के दौरान भाजपा ने संकल्प पत्र में किये गए थे। अब विकास की वैतरणी शुरू हो जाएगी। महिला मुख्यमंत्री के नाते महिलाओं को बड़ी उम्मीद है। छात्र नेता से पार्षद और पार्षद के बाद विधायक और अब दिल्ली की मुख्यमंत्री बन जाने के बाद उनके सिर पर अनेक चुनौतियां हैं। उन चुनौती को पूर्ण करना है जो स्वयं भाजपा ने पाल रखी है। कांग्रेस के बाद केजरीवाल के शासन के बाद दिल्ली की रौनक खत्म हो चुकी है। अब भाजपा विकास के लक्ष्य को पार करने में अपना विश्वास बनाये रखने में तटस्थ है। भाजपा ने जिन चुनावी मुद्दों पर जीत हासिल की है और दिल्ली की जनता को भरोसा दिलाया है उसके लिए निर्धारित समय मे कार्य शुरू करना होगा। जिसका भरोसा मत्तदाताओं को दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमित शाह और जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। दिल्ली के लिए डबल इंजन सरकार विकास को नया आयाम देगी। जिस तरह से दिल्ली को केजरीवाल की सरकार ने दिल्ली को बीमारू बना दिया था। लेकिन अब विकास की बुलंदियों से दिल्ली को खूबसूरत शहर बनाने के संकल्प को भाजपा पूरा करेगी। इसमें दो राय नहीं है कि दिल्ली विकास की ओर आगे बढ़ेगी। यमुना की सफाई शुरू हो गई है। साफ पानी और प्रदूषण रहित दिल्ली की हवा के वादे भाजपा को शुरुआती दौर में ही शुरू करने होंगे। प्रति वर्ष पचास हजार की नौकरियां और महिलाओं के खातों में 2500 रुपये हर महीने दिए जाने की घोषणा भाजपा ने चुनाव के दौरान की थी। यह मोदी की गारंटी पर मत्तदाताओं को पूरा भरोसा है। सड़कों की सफाई और ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने की घोषणा की गई थी। नालों, गलियों सीवर की सफाई का वादा पूर्ण होगा साथ ही मुफ्त बस सेवा का फायदा महिलाओं के लिए सरकार की पहली प्राथमिकता रहेगी। दिल्ली केंद्र के सीधे नियंत्रण में है। आम आदमी पार्टी विपक्ष के आक्रामक विरोध की चुनौती और महिला मुख्यमंत्री की तुलना में बेहतर विकास की नींव रखनी होगी। विकास के कार्य को आगे बढ़ाना होगा।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

खेल जगत

मैं घर से ही अपने लड़कों का समर्थन करूंगा: फखर जमान

कराची। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमान ने चोट के कारण आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने पर अपनी निराशा व्यक्त की। फखर को कराची में न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान के टूर्नामेंट के पहले मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी। हालांकि बाद में वह बल्लेबाजी के लिए लौटे, लेकिन उनकी बेचैनी साफ देखी जा सकती थी क्योंकि उन्होंने 41 गेंदों पर 24 रन बनाने के दौरान संघर्ष किया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुरू में कहा था कि मांसपेशियों में मोच के लिए फखर की निगरानी की जा रही थी, लेकिन आगे के आकलन से चोट की गंभीरता की पुष्टि हुई। फखर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावनात्मक संदेश साझा करते हुए कहा कि सबसे बड़े मंच पर पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करना इस देश के हर क्रिकेटर का सम्मान और सपना है।

हम आयरलैंड को हल्के नहीं ले सकते हैं : हरमनप्रीत सिंह

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 20 फरवरी (देशबन्धु)। फिट होकर अपने कप्तान फुलबैक ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह और उपकप्तान आक्रामक सेंटर हाफ हार्दिक सिंह के टीम में लौटने के साथ जर्मनी को हरा कर जीत की राह पर लौटी भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो हॉकी लीग 2024-25 में शुक्रवार को आयरलैंड के खिलाफ भी जीत का सिलसिला जारी रखने के मकसद से उतरेगी। भारत की प्रो लीग में शुरुआत मिली जुली रही है। भारत की पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन के खिलाफ पहले मैच में1-3 से हार से आगाज करने के बाद उसे रिटर्न मैच मे 2 2-0 से हराया। भारत की टीम जर्मनी से अपने पहले मैच में 1-4से हार गई थी। गुरजंट सिंह के गोल से भारत की पुरुष टीम जर्मनी को बुधवार को 1-0 सेहरा कर जीत की राह पर लौट आई। भारत की टीम चार मैचों से छह अंक के साथ फिलहाल सातवें स्थान पर है। भारत की दिक्कत अब तक पेनल्टी कॉर्नरों को गोल में न बदल पाना रही है और वह आयरलैंड के खिलाफ अपनी इस खामी को दूर करने के मकसद से उतरेगा। भारत ने आयरलैंड से अपनश 2013 से नौ में स स1त म" च जीते हैं। वहीं आयरलैंड को टीम भारत से मात्र एक मैच जीत पाई है और एक ड्रॉ रहा है। आयरलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा,'हमारे लिए एफआईएच प्रो लीग में आने वाले मैच बेहद अहम

हैं और हमारी निगाहें इनमें लगातार बढ़िया प्रदर्शन कर लय पाने में लगी हैं। हमारे लिए हर मैच अपना खेल बेहतर करने और अहम अंक हासिल करने का मौका है। आयरलैंड हमारे सामने मुश्किल चुनौती पेश करेगा। आयरलैंड भले ही अंक तालिका में हमसे नीचे है लेकिन वह आखिरी तक लड़ने और किसी भी प्रतिद्वंद्वी को चौंकाने का दम रखती है और इसलिए हम उसे हल्के में नहीं ले सकते हैं। हमारा ध्यान मुख्य रूप से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने पर है। हम हाल ही में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने के लिए जूझना पड़ा है। हमें पेनल्टी कॉर्नर पर अचूक निशाना जमा गोल करने की जरूरत है। हमारी टीम अभ्यास में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलने के लिए मेहनत कर रही है। हमें भरोसा है कि हम अगले मैचों में पेनल्टी कॉर्नरों का बहतर इस्तेमाल करेंगे। हम अपनी पूरी ताकत झोंकने को तैयार हैं। हम उम्मीद करते हैं हम जर्मनी के खिलाफ मिली जीत के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए लीग में आगे बढ़ेंगे।'

■ भारत की टीम चार मैचों से छह अंक के साथ फिलहाल सातवें स्थान पर

भारत की महिला टीम जीत की राह पर लौटन उतरेगी- वहीं भारत की महिला हॉकी टीम महिला हॉकी प्रो लीग 2024-25 में इंग्लैंड को 3-2 से हराने के बाद उससे रिटर्न मैच में 1-2 से तथा स्पेन से 3-4 व 0-1 से हार गई। अब भारत की महिला टीम भुवनेश्वर में शुक्रवार को जर्मनी के खिलाफ पहले मैच में जीत की राह पर वापस लौटने उतरेगी। वहीं जर्मनी को पहली सीधी जीत का इंतजार है। जर्मनी की टीम छह मैचों में चार नियमित समय में एक शूटआउट में हारी है। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने जर्मनी के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ' हमारी टीम जानती है कि करीबी मैचों के बाद हमारे लिए आने वाले मैच बेहद अहम हैं

चोट के बाद भरोसा नहीं था कि मैं फिर से खेल पाऊंगा या नहीं : शमी

■ शमी को 2023 में वनडे विश्व कप के दौरान टखने में चोट लगी थी

दुबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने खुलासा किया है कि 2023 में टखने की चोट से पीड़ित होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी वापसी कितनी कठिन रही है और उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा भी हुआ जब उन्हें लगा कि उन्हें देश के लिए फिर से खेलने का मौका कभी नहीं मिलेगा। शमी को 2023 में वनडे विश्व कप के दौरान टखने में चोट लगी थी, जिसके कारण वह एक साल से अधिक समय तक खेल से बाहर रहे। वह 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की हार के बाद से देश के लिए नहीं खेले थे, जहां तेज गेंदबाज टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। शमी ने इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में बंगाल के पांचवें दौर के मैच के माध्यम से पेशेवर क्रिकेट में सफल वापसी की, जहां उन्होंने अपनी टीम की जीत में सात विकेट लिए। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में बंगाल की गेंदबाजी का नेतृत्व भी किया, जिसमें 11 मैचों में 7.85 की इकॉनमी रेट से नौ विकेट चटकाए, जिसमें हैदराबाद के खिलाफ उनका सर्वश्रेष्ठ 3-21 रहा हालांकि, चोट के फिर से उभरने के कारण पेसर पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज से बाहर हो गए। लेकिन, 34 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए चार व्हाइट-बॉल मुकाबलों में भाग लेकर सफल वापसी की। अब वह गुरुवार को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले मैच में देश के लिए खेलते हुए अपनी वापसी को और आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। विश्व कप के दौरान शानदार फॉर्म में होने से लेकर अचानक खुद को ऑपरेटिंग टेबल पर पाना और फिर चोटिल होना वाकई बहुत कठिन था।

शमी 200 वनडे विकेट तक पहुंचने वाले सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बने

दुबई। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ 2025 चैंपियंस ट्रॉफी ग्रुप ए मैच में 5-53 विकेट लेकर पुरुष वनडे में 200 विकेट लेने वाले सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बन गए। मैच से पहले, कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि वह इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए दो मैचों में शमी द्वारा सिर्फ एक वनडे विकेट लेने से परेशान नहीं हैं और उन्होंने बड़े मौके पर टीम के लिए उनके प्रदर्शन पर भरोसा जताया। रोहित के शब्दों को शमी ने सच कर दिखाया जब उन्होंने 43वें ओवर में जैकर अली के रूप में अपना 200वां वनडे विकेट लिया, जिन्होंने लॉन्ग-ऑन पर एक वाइड स्लोअर बॉल पर स्लॉग को टो-एंड किया। इसका मतलब यह हुआ कि शमी ने 104 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की और मौजूदा मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के 133 मैचों में 200 विकेट लेने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

चैम्पियंस लीग: एमबापे की हैट्रिक ने रियल मैड्रिड को अंतिम-16 में पहुंचाया

मैड्रिड, 20 फरवरी (एजेंसियां)। किलियन एमबापे की हैट्रिक की बदौलत रियल मैड्रिड ने गुरुवार (आईएसटी) को सैंटियागो बर्नाब्यू स्टेडियम में मैनचेस्टर सिटी पर 3-1 से जीत दर्ज करके यूईएफए चैंपियंस लीग के अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया। पिछले सप्ताह मैनचेस्टर में 3-2 से मिली जीत के बाद रियल मैड्रिड ने 6-3 से जीत दर्ज की।सिटी के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड घुटने की चोट से जूझ रहे थे और एक सप्ताह पहले दो गोल करने वाले नॉर्वे के खिलाड़ी ने खेल की शुरुआत सब्सटीट्यूट बेंच पर की, क्योंकि उनकी टीम शुरू से अंत तक संघर्ष करती रही, डिफेंस में फिर से कमजोर दिखी, जबकि खेल खत्म होने तक अटैक में कुछ भी करने में विफल रही। रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी चोट के बाद एंटोनियो रुडिगर को वापस लाने में सफल रहे, जिससे उन्हें राउल एसेनसियो को राइट-बैक पर खेलने और फेडेरिको वाल्वर्डे को मिडफील्ड में लाने का मौका मिला। चौथे मिनट में, एसेनसियो ने एक लंबी गेंद भेजी, जिसे रूबेन डायस एमबापे के दबाव में संभालने में विफल रहे, और फ्रांस के फॉरवर्ड ने सिटी के गोलकीपर एडरसन के ऊपर से गेंद को उछाला, जो नो-मैन्स लैंड में फंस गए। एक मिनट बाद सिटी के लिए हालात और खराब हो गए, जब जॉन स्टोन्स विनीसियस के दबाव में गिर गए और उनकी जगह नाथन एके को लाना पड़ा। 33वें मिनट में एमबापे ने मैड्रिड की बढ़त को दोगुना कर दिया, जब उन्होंने एक फ्लोइंग मूव को पूरा किया, जिसका अंत रॉड्रिगो ने फ्रांसीसी खिलाड़ी को पास देकर किया और गोल किया। पहले हाफ में मैड्रिड के लिए एकमात्र बुरी खबर जूड बेलिंगहैम को एक पीला कार्ड मिला, जिसका मतलब है कि उन्हें अगले राउंड के पहले चरण के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। रॉड्रिगो और वाल्वर्डे दोनों रियल मैड्रिड के तीसरे गोल के करीब पहुंच गए, एडरसन सुरक्षित नहीं दिख रहे थे, लेकिन एमबापे ने अपनी हैट्रिक पूरी की, 61वें मिनट में दाएं से कट करके अपने बाएं पैर से गोल किया मैड्रिड के तीसरे गोल ने मैन सिटी के खेल में वापसी करने के किसी भी बचे हुए मौके को खत्म कर दिया, पेप गार्डियोला ने

दिल्ली कैपिटल्स ने यूपी वॉरियर्स को सात विकेट से हराया

डब्ल्यूपीएल 2025

वडोदरा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। डब्ल्यूपीएल 2025 के छठे मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने कोटांबी स्टेडियम में यूपी वॉरियर्स को सात विकेट से हरा दिया। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से कप्तान मेग लैनिंग ने शानदार 69 रनों की पारी खेली। टीम के लिए एनाबेल सदरलैंड 41 रन जोड़े। किरण नवगिरे के 24 गेंदों पर तूफानी अर्धशतक, श्वेता सेहरावत के 33 गेंदों पर 37 रन और चिनेल हेनरी के 15 गेंदों पर नाबाद 33 रनों की बदौलत यूपी वॉरियर्स ने सात विकेट पर 166 रन बनाए। 167 रनों का लक्ष्य हासिल करने के लिए उतरी दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तान मेग लैनिंग ने 49 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 69 रन बनाए। टीम के लिए मेग लैनिंग के बाद एनाबेल और मारिजैन कप्प ने महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। डीसी ने एक गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। यूपीडब्ल्यू के खराब फील्डिंग प्रदर्शन ने भी डीसी को अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचने में मदद की। तीन मैच में दो जीत के साथ डीसी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीसी की शुरुआत शेफाली वर्मा ने क्रांति गौड़ के पहले

ओवर में चौका और छक्का लगाकर की। दूसरे छोर से मेग ने सोफी एक्लेस्टोन की गेंद पर दो चौके जड़े, उसके बाद उन्होंने और शेफाली ने राजेश्वरी गायकवाड़ की गेंद पर एक-एक चौका जड़ा। मेग ने चिनेल हेनरी की गेंद पर दो आसान चौके लगाकर पारी को तेजी से बढ़ाया। डीसी ने पावर प्ले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 59 रन बिना कोई विकेट गंवाए बना लिए। लेकिन इसके कुछ ही देर बाद, शेफाली ने दीप्ति की गेंद पर डीप मिडविकेट पर एक स्लॉग मारा और 16 गेंदों पर 26 रन बनाकर आउट हो गईं। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने सोफी की गेंद पर शॉर्ट फाइन लेग पर स्वीप शॉट खेला और शून्य पर आउट हो गईं।

यूपी वॉरियर्स की खराब फील्डिंग से दिल्ली कैपिटल्स को मिली जीत : मिताली राज

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट की पूर्व स्टार बल्लेबाज मिताली राज ने यूपी वॉरियर्स पर दिल्ली कैपिटल्स की अंतिम ओवर में रोमांचक जीत की प्रशंसा की। मिताली ने कहा कि वो अंतिम ओवर निर्णायक था। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स को शेष गेंदों से ज्यादा रन चाहिए थे लेकिन इस दौरान यूपी वॉरियर्स फील्डिंग में कुछ चूक कर गई, लिहाजा दिल्ली कैपिटल्स लक्ष्य हासिल करने में सफल हुई। जियोहॉटस्टार पर जारी अमूल क्रिकेट लाइव शो पर एक्सक्लूसिव तौर बोलते हुए भारत की पूर्व बल्लेबाज मिताली राज ने दिल्ली कैपिटल्स की एनाबेल सदरलैंड की पारी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा किएनाबेल ने तब अपनी कप्तान मेग लैनिंग के साथ सहायक भूमिका निभाई, जब दिल्ली कैपिटल्स ने पावरप्ले में मजबूत शुरुआत के बाद जेमिमा रोड्रिग्स का विकेट गंवा दिया, जो खाता खोले बिना आउट हुईं। दोनों के बीच कीसाझेदारी ने दिल्ली कैपिटल्स को स्थिरता प्रदान की और कप्तान मेग के आउट होने के बाद उनकी मारिजान कैप के साथ 40 रन की साझेदारी भी बेहद महत्वपूर्ण थी।

सार संक्षेप

हिन्दुस्तान की बड़ी जीत, तरुणसंघा को पूरे अंक

नई दिल्ली। डीएसए प्रीमियर लीग के एकतरफा मुकाबले में हिंदुस्तान फुटबाल क्लब ने यूनाइटेड भारत एफ सी को 4-1 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए। आज यहां नेहरू स्टेडियम परिसर में खेले गये मुकाबले में विजेता टीम हिन्दुस्तान के लिए किलोंग, प्लेयर ऑफ द मैच होकिप,आशिफ और मिसाओ ने गोल जमाए द्य पराजित टीम का इकलौता गोल जहॉन शपोर्जी ने किया। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में तरुण संघां ने नेशनल यूनाइटेड सपोर्टिंग क्लब को ओलेन सिंह के गोल से परास्त किया आज के मुकाबले में यूनाइटेड भारत ने पहले खाता खोला लेकिन एक बार फार्म में आने के बाद हिन्दुस्तान ने खेल पर पकड़ बना ली और पाला बदलते ही विजेता टीम के तेवर भी बदल गए। आशिफ, होकिप, सूरज मेटी ने बेहतर तालमेल के साथ प्रतिद्वन्दी पर दबाव बनाया और दर्शनीय गोल जमाए। हिंदुस्तान के 17 मैचों में 20 अंक हो गए हैं। अंक तालिका में सबसे नीचे चल रहे यूनाइटेड भारत के बचने के मौके बहुत कम बचे हैं।

चोटिल पेनफोल्ड श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया सीरीज से हुई बाहर

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड की महिला टीम की तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड घुटने की चोट के कारण श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गई हैं। 23 वर्षीय पेनफोल्ड को इस महीने की शुरुआत में बाईलवर्टन जॉनस्टन शील्ड में खेलते समय बाएं घुटने में चोट लगने के बाद उनकी सर्जरी हुई थी। चिकित्सकों के अनुसार उनकी चोट को ठीक होने में 12 सप्ताह तक का समय लग सकता है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा कि हम सभी मौली के लिए दुखी हैं। यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि चोट के कारण वह तीन महीने खेल से दूर रहेंगी। समय पर ठीक होने पर वह हमारे शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए फिट हो सकती है। पेनफोल्ड ने 14 एकदिवसीय में नौ विकेट तथा दस टी -20 मैचों में सात विकेट लिए हैं।

भारत का 49 सदस्यीय दल स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड विंटर गेम्स में शिरकत करेगा

नई दिल्ली, 20 फरवरी, (एजेंसियां)। इटली के ट्यूरिन में आठ मार्च से शुरु होने वाले स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड विंटर गेम्स 2025 में भारत का 49 सदस्यीय दल शिरकत करेगा। इटली के ट्यूरिन में आठ से 15 मार्च होने वाली इस प्रतियोगिता में भारत के 30 एथलीट और 19 लोगों का सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ी छह खेल स्पर्धाओं - अल्पाइन स्कीइंग, क्रॉस कंट्री स्कीइंग, फ्लोरबॉल, शॉर्ट-ट्रैक स्पीड स्केटिंग, स्नोबोर्डिंग और स्नोशूइंग में प्रतिस्पर्धा करेंगे। स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड विंटर गेम्स के 12वें संस्करण में आठ खेल स्पर्धाएं शामिल हैं और इनमें 102 देशों के 1,500 से अधिक एथलीट 621 अपने कोचों की देखरेख में अपना जौहर दिखाएंगे।

धीमी ओवर गति के लिए पाकिस्तान पर जुर्माना

■ मोहम्मद रिजवान ने अपराध स्वीकार कर लिया

दुबई, 20 फरवरी (देशबन्धु) पाकिस्तान पर बुधवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना मोहम्मद रिजवान की टीम द्वारा समय सीमा के बावजूद निर्धारित गति से एक ओवर कम फेंकने के बाद लगाया गया। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान पर बुधवार को आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025

के सदस्य एंडी पाइक्रॉफ्ट ने खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत जुर्माना लगाया। आईसीसी के नियमों के अनुसार, खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में अपनी टीम द्वारा गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए, मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। पाकिस्तान के कार्यवाहक कप्तान मोहम्मद रिजवान ने अपराध स्वीकार कर लिया और जुर्माना स्वीकार कर लिया, जिससे औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता समाप्त हो गई। मैदानी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो और शारफुद्दौला, तीसरे अंपायर जोएल विल्सन और चौथे अंपायर एलेक्स व्हार्फ ने आरोप लगाया। यह जुर्माना पाकिस्तान के लिए एक और झटका है, जिसे टूर्नामेंट के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 60 रनों से निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान टीम 281 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए संघर्ष करती रही और धीमी शुरुआत के बाद आवश्यक रन रेट को बनाए रखने में विफल रही। इससे पहले, पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमान चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को खेल के दूसरे ओवर में फील्डिंग करते समय चोट लगी थी।

रोहित शर्मा से गिरा आसान सा कैच, अक्षर पटेल की नहीं हो पाई हैट्रिक

दुबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी के अपने पहले ही मैच में भारत ने बांग्लादेश के ऊपर शिकंजा कस दिया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए और पावरप्ले में ही उनकी आधी टीम पवेलियन लौट गई। मोहम्मद शमी और हर्षित राणा ने भारत को जो शुरुआत दिलाई थी उसे अक्षर पटेल ने आगे बढ़ाया। पारी का नौवां और अपना पहला ओवर लेकर आए अक्षर ने अपने पहले ही ओवर में बांग्लादेश को दो झटके दिए। दूसरी गेंद पर उन्होंने काफी अच्छी लय में दिख रहे सलामी बल्लेबाज तंजिद हसन को पवेलियन का रास्ता दिखाया। उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर गेंद केएल राहुल के दस्तानों में समा गई। इसकी अगली ही गेंद पर अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम को भी इसी तरह अक्षर ने आउट किया। उनकी हैट्रिक पूरी कराने के लिए कप्तान रोहित शर्मा ने दो स्लिप और लेग स्लिप भी लगा दिए थे। अक्षर ने गेंद भी ऐसी डाली कि जिस पर नए बल्लेबाज जाकेर अली के बल्ले का बाहरी किनारा लेकर गेंद पहली स्लिप की ओर गई। वहां खड़े रोहित ने आसान सा कैच गिरा दिया जिसकी वजह से अक्षर की हैट्रिक पूरी नहीं हो पाई। अगर रोहित यह कैच पकड़ लेते तो अक्षर चैंपियंस ट्रॉफी में हैट्रिक लेने वाले केवल दूसरे गेंदबाज बन जाते। चैंपियंस ट्रॉफी में एकमात्र हैट्रिक जेरोम टेलर के नाम है, उन्होंने 2006 में ब्रेबोर्न स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हैट्रिक ली थी। आइए देखते हैं कैसा रहा अक्षर का वो शानदार ओवर।

आज आपस में भिड़ेंगे नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और बेंगलुरू एफसी

शिलांग, 20 फरवरी (एजेंसियां)। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी शुक्रवार को शाम 7:30 बजे यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में बेंगलुरू एफसी की मेजबानी करेगी। आईएसएल फिर से मेघालय की राजधानी में वापस आ गया है, जहां इस महीने की शुरुआत में हाईलैंडर्स और मुम्बई सिटी एफसी पहली बार भिड़े थे। बेंगलुरू एफसी अपने पिछले चार मैचों में जीती नहीं है और इस दौरान दो बार हारी है। हालांकि, ब्लूज ने कुल 36 गोल किए हैं, जिसमें सुनील छेत्री 11 गोल करके टीम के टॉप स्कोरर हैं। ब्लूज के खिलाफ पिछले पांच मुकाबलों में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी

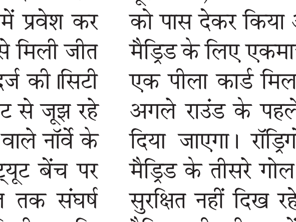

कभी जीती नहीं है। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी अपने दूसरे घरेलू मैदान में पहली बार खेलते हुए अपने पिछले मैच में आइलैंडर्स के हाथों 0-2 से हारी थी और वह घर पर लगातार हार से बचना चाहेगी। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी 21 मैचों में आठ जीत, आठ ड्रा और पांच हार से 32 अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि बेंगलुरू एफसी 20 मैचों में नौ जीत, चार ड्रा और सात हार से 31 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है।

■ बेंगलुरू एफसी अपने पिछले चार मैचों में जीती नहीं और इस दौरान दो बार हारी

हाईलैंडर्स की ताकतवर फ्रंटलाइन

गोल-स्कोरर: हाईलैंडर्स के 39 गोल आईएसएल 2024-25 में तीसरा सबसे ज्यादा आंकड़ा है। उनके कुल गोल में से 50 फीसदी से ज्यादा गोल अलाएद्दीन अजारेई के हैं।

तेज-तर्रार जितिन एमएस: जितिन एमएस (6 गोल और 8 असिस्ट) एक गोल योगदान करते ही नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के लिए 15+ गोल योगदान दर्ज करने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। उन्होंने इस सीजन में एक गोल किया है और पांच असिस्ट किए हैं।

ब्लूज की रणनीति

क्लीन शीट: ब्लूज ने इस सीजन में छह क्लीन शीट रखी हैं, जो तीसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है।

फ्रंटलाइन पर निर्भर: ब्लूज ने अपने अपेक्षित गोल (एक्सजी) से 13.54 से बेहतर प्रदर्शन किया है, जो आईएसएल 2024-25 में दूसरा सबसे अच्छा अंतर है।

आमने-सामने

आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 17 मुकाबले हुए हैं। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने दो बार जीत हासिल की है और बेंगलुरू एफसी ने आठ मैच जीते हैं। सात मैच ड्रा रहे हैं।

कोच कॉर्नर : हाईलैंडर्स के स्पेनिश हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से आगामी मैच में एकजुट होकर बचाव करने को कहा। उन्होंने कहा कि पूरी टीम को अच्छे से बचाव करने की जरूरत है क्योंकि हम एक मजबूत टीम के खिलाफ खेलने वाले हैं। उनके सभी खिलाड़ी खतरनाक हैं और हमें इसका ध्यान रखना होगा। ब्लूज के स्पेनिश हेड कोच जेरार्ड जारागोजा को पिछले महीने बेंगलुरू एफसी के प्रदर्शन पर अफसोस है, लेकिन जमशेदपुर एफसी के खिलाफ पिछले मैच में 3-0 की जीत के बाद उनकी उम्मीद बढ़ी है। उन्होंने कहा कि जनवरी में हम अच्छा नहीं खेले और हमारे प्रदर्शन में निरंतरता नहीं थी। हालांकि, पिछले मैच में हमने अच्छा खेल दिखाया। हमने क्लीन शीट रखी और प्लेऑफ में पहुंचने के लिए हमें इसी तरह खेलना होगा।

राठौड़ के नाबाद 59 रन से मुंबई के खिलाफ विदर्भ को 260 रन की बढ़त

नागपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। यश राठौड़ और अक्षय वाडकर के बीच नाबाद 91 रन की साझेदारी की मदद से विदर्भ ने मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के तीसरे दिन बुधवार को 260 रन की बढ़त बना ली। विदर्भ ने मुंबई को 270 रन पर आउट करके पहली पारी में 113 रन की बढ़त ली थी। दूसरी पारी में उसके चार विकेट 56 रन पर गिर गए लेकिन इसके बाद राठौड़ (59) और वाडकर (31) ने पारी को संभाला और स्कोर चार विकेट पर 147 रन तक ले गए। तीसरे दिन के आखिर में दोनों बल्लेबाज क्रीज पर थे लेकिन शम्स मुलानी के शानदार फॉर्म को देखते हुए उनकी राह आसान नहीं लग रही। मुंबई के हरफनमौला शार्दुल ठाकुर ने दूसरे ही ओवर में अथर्व तायडे (0) को आउट करके पहली सफलता दिलाई। एसेक्स के लिए काउंटी चैम्पियनशिप खेलने जा रहे ठाकुर ने तायडे को पगबाधा आउट किया। दानिश मालेवार (29) अच्छे फार्म में दिखे और पांच चौके

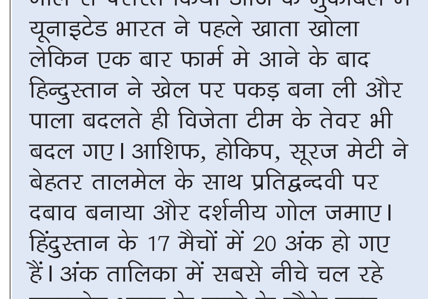

भी लगाए, लेकिन मुलानी ने अपनी ही गेंद पर उनका कैच लपककर विदर्भ को एक और झटका दिया। इस समय विदर्भ का स्कोर दो विकेट पर 40 रन था। शानदार फॉर्म में चल रहे करुण नायर (छह) और सलामी बल्लेबाज ध्रुव शोरे (13) क्रीज पर थे लेकिन तनुष कोटियां ने शोरे को अपनी आफ ब्रेक गेंद पर पगबाधा आउट किया। नायर से काफी उम्मीदें थीं लेकिन वह मुलानी का शिकार हुए और विदर्भ का स्कोर चार विकेट पर 56 रन हो गया।

सार-समाचार

डाइट ने जीती साहितियक और खेलकूद चैंपियनशिप

रायसेन, देशबन्धु। विद्यार्थियों की प्रतिभा के सर्वागीण विकास के उदेश्य से डाइट विदिशा में आयोजित जोन स्तरीय खेलकूद एवं सहित्यिक प्रतियोगिताओं में डाइट रायसेन के विद्यार्थियों ने ओवरआल चैम्पियनशिप खिताब हासिल किया। खेलकूद प्रतियोगिताओं में डाइट रायसेन के छात्र–छात्राओं ने कबड्डी, जूची कूद में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा बालिका वर्ग लम्बीकूद में रजनी इमने, 800 मीटर दौड़ में बलीराम, शतरंज बालिका वर्ग में तपस्या लोधी, वाद–विवाद में रागिनी रघुवंशी तथा कविता लेखन में सेजल धाकड़ नें प्रथम स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में कुल 28 पदक हासिल किए और जोन स्तर पर ओवरआल चैम्पियन का खिताब हासिल किया। इस मौके पर डॉ. संध्या जैन, खेल प्रभारी किरण प्रसाद सिंह, विमल किशोर झा, संजीव जैन, कमलेश बहादुर, मनोहर राजपूत आदि मौजूद थे।

नपाध्यक्ष ने गंगा जल किया स्थानीय जलाशयों में समर्पित

सीहोर, देशबन्धु। शहर के मनकामेश्वर महादेव मंदिर में नगर पालिका द्वारा हर हर गंगे–हर घर गंगे अनूठी पहल अभियान का आगाज करते हुए नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने 108 कलशों से लाए गंगा को विभिन्न जलाशयों में समर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा सहित अन्य वरिष्ठजन मौजूद थे। इस दौरान स्थानीय रहवासियों और महिलाओं ने हर्षोल्लास के साथ पुष्पवर्षा की और ढोल–नगाड़ों की गूंज से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण में बदल दिया। कोतवाली चौराहे पर विशेष रूप से कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का विधायक सुदेश राय ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। गुरुवार सुबह 10 बजे शहर के मनकामेश्वर महादेव मंदिर से प्रयाग राज से आने वाले कलशों को द्वारा पूर्ण विधि–विधान से बैंड बाजे के साथ यात्रा निकाली गई। इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष राठौर के अलावा शहर के सभी साधु, संतों और विप्रजनों द्वारा शहरवासियों की जीवनदायनी सीवन नदी के अलावा महाकुंभ के पानी को वाहनों द्वारा काहरी डेम, जमोनिया जलाशय के अलावा भगवानपुरा जलाशय में आस्था के साथ समर्पित किया गया। बड़ी संख्या में महाकुंभ से विशेष वाहनों से इन कलशों को लाया गया था, वहीं अब जलाशयों के अलावा हर वार्ड के बावडी अन्य जल स्त्रोतों में समर्पित किया जाएगा। इस संबंध में सीएमओ भूपेन्द्र दीक्षित ने बताया कि महाकुंभ के शुभ अवसर पर तीर्थराज प्रयाग से त्रिवेणी संगम के जल का कलश नगर लाए गए हैं। इस गंगा जल को विशेष रूप से प्रयागराज से लाया गया है और हमारे नलों से सप्लाई होने वाले जलाशयों में डाला जाएगा। यह पवित्र गंगा जल विशेष रूप से क्षेत्र के प्रत्येक घर तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए जल आपूर्ति लाइनों के माध्यम से सप्लाई किया जाएगा।

22 को निशुल्क केंसर परीक्षण शिविर

सीहोर, देशबन्धु। भोपाल के प्रसिद्ध कैंसर चिकित्सालय जवाहरलाल नेहरू द्वारा लगातार प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर लगातार नि:शुल्क कैंसर जांच एवं परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 22 फरवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक ब्रिजिसनगर ग्राम पंचायत प्रांगण मे जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। इस शिविर में मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

मंडीदीप और सांची रेलवे स्टेशनों को मिला प्रमाणपत्र

जिले के 2 रेलवे स्टेशन ने ऊर्जा संरक्षण में हासिल की उपलब्धि

रायसेन, देशबन्धु। जिले के मंडीदीप और सांची रेलवे स्टेशन को बीईई शून्य लेबल प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। यह प्रमाणपत्र रेलवे की ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता सामान्य, संजय मानोरिया के नेतृत्व में इन स्टेशनों ने ऊर्जा प्रबंधन और दक्षता बढ़ाने के लिए कई प्रभावी उपाय अपनाए, जिससे यह उपलब्धि हासिल हुई है। भोपाल मंडल ने इस उपलब्धि के साथ रेलवे की ऊर्जा लागत को कम करने और रेलवे परिसरों में प्रदूषण नियंत्रण को बढ़ावा देने के संकल्प को दोहराया है। इस पहल से न केवल रेलवे का ऊर्जा खर्च कम होगा, बल्कि यात्रियों को भी एक स्वच्छ, हरित और पर्यावरण अनुकूल स्टेशन की सुविधा मिलेगी।

क्या है बीईई शून्य लेबल प्रमाणपत्र

बीईई यानि ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी शून्य लेबल प्रमाणपत्र एक प्रतिष्ठित मान्यता है, जो ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए दी जाती है। इस प्रमाणपत्र का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों और भवनों में ग्रीन और कार्बन न्यूट्रल वातावरण को बढ़ावा देना है। जिन प्रतिष्ठानों को यह प्रमाणपत्र मिलता है, वे शून्य कार्बन उत्सर्जन और ऊर्जा कुशलता को अपनाने की दिशा में काम करते हैं।

ग्रीन रेलवे परियोजना को मिला बढ़ावा

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि मंडीदीप और सांची रेलवे स्टेशन ने ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने प्रयासों को सिद्ध किया है। यह प्रमाणपत्र मिलने से भोपाल मंडल की ग्रीन रेलवे परियोजना को और मजबूती मिलेगी। रेलवे परिसरों में ऊर्जा संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के अधिकतम उपयोग को लेकर रेलवे प्रतिबद्ध है।

तेज रफ्तार बस ने वेन को मारी टक्कर, 2 की मौत

रायसेन, देशबन्धु। गुरुवार रात साढ़े आठ बजे सागर रोड पर गाम अमरावद के पास एक तेज रफ्तार बस ने ईको वेन को जोरदार टक्कर मार दी, दुर्घटना में कार चालक सहित एक युवती की मौत हो गई। घटना के बाद हाइवे पर जाम लग गया, बड़ी संख्या में वाहन घटना स्थल के दोनो ओर खड़े हो गए। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मौजूद लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाल कर एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार देवनगर निवासी हरिप्रसाद साहू का परिवार उनकी बेटी की सगाई करने मंडीदीप गया था, जहां से वापस लौटते समय हादसा हुआ। जिसमें हरिप्रसाद की छोटी बेटी 19 वर्षीय मुस्कान साहू तथा वेन चालक इमरतलाल की मौत हो गई। बस की टक्कर से ये दोनो वेन से बाहर फिक गए थे। जबकि बाकी पांच लोग वेन में फंसे रहे। जिन्हे बमुश्किल बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना में 25 वर्षीय राहुल साहू पुत्र पुरुषोत्तम साहू निवासी सिहोरा खुर्द, 30 वर्षीय राकेश साहू पुत्र हरिप्रसाद साहू निवासी देवनगर, 12 वर्षीय सुमित साहू रामबाबू निवासी पीथमपुर धार, अनिकेत साहू पुत्र प्यारेलाल साहू निवासी हिनोतिया गढ़ी तथा बालाप्रसाद पुत्र बाबूलाल साहू निवासी जुझारपुर घायल हुए हैं। अनिकेत और बालाप्रसाद को गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा तथा एसपी पंकज पांडे जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों से घटना की जानकारी दी। उन्होंने डॉक्टरों को घायलों का समुचित इलाज करने के निर्देश दिए।

बैठक में नई आबकारी नीति के बारे में दी गई जानकारी

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आबकारी विभाग की जिला निष्पादन समिति की बैठक कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्य पुलिस अधीक्षक पंकज पाण्डे, जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया तथा अतिरिक्त सदस्य जिल सूचना अधिकारी दीपेन्द्र कटियार उपस्थित रहे। सहायक आबकारी आयुक्त वंदना पाण्डेय ने बैठक में वर्ष 2025–26 हेतु जारी आबकारी नीति के प्रमुख प्रावधानों एवं वर्तमान नीति में गत वर्ष से हुए संशोधनों के बारे में बिन्दुवार अवगत कराया गया।

नवीन नीति में अनुज्ञप्तिधारियों को कांट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन पर पंजीयन कराने की बाध्यता होने से जिले के वर्तमान 20 समूहों के अनुज्ञप्तिधारियों को कांट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर पंजीयन कराए जाने के लिए निर्देशित किया गया। वर्तमान समस्त लायसेंसियों द्वारा कांट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर पंजीयन करा लिया गया है, यह विभाग द्वारा सुनिश्चित किया गया है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2024–25 में प्राप्त वार्षिक मूल्य रूपए 3136615482 एवं 20 प्रतिशत वृद्धि पश्चात वर्ष 2025–26 का आरक्षित मूल्य 3763938588 है। वर्ष 2025–26 ठेका निष्पादन कार्यवाही प्रथमता: नवीनीकरण के माध्यम से निष्पादन किए जाने के लिए जिले के समस्त अनुज्ञप्तिधारियों की

2 पंचायतों में 16 लाख से अधिक खर्च कर करया है निर्माण

लापरवाही: अमृत सरोवरों में नहीं रुक सका एक बूंद पानी

सिलवानी, देशबन्धु। जनपद पंचायत के देवरी मंढ़िया ग्राम पंचायत एवं ग्राम पंचायत खमरिया मानपुर में शासन की योजना के अनुसार अमृत सरोवरों का निर्माण ऐसे स्थल पर पंचायत के द्वारा कराया गया है जहां पर उसका कोई भी उपयोग नहीं हो पा रहा है। इस तालाब के निर्माण में पंचायतों ने 16.31 लाख रुपए खर्च करना बताया गया है। इतनी राशि खर्च करने के बाद भी बारिश का पानी एक भी बूंद उक्त तालाब में नहीं रूक सका है। इस तालाब के दोनों ओर मिट्टी की पार अवश्य निर्मित की गई और पानी को रोकने के लिए सीसी क्रांकीट का कार्य भी करवाया गया। फिर भी पानी नहीं रूक रहा है।

इस पर पंचायत चुप्पी साधे हुए है। इस निर्माण कार्य स्थल का किसी वरिष्ठ अधिकारी के द्वारा अवलोकन तक नहीं किया गया। इसके कारण उक्त निर्माण कार्य में पलीता लगा है। कुछ ग्राम पंचायतों में महिला जनप्रतिनिधियों की आड़ में पति सक्रिय–यहां ग्राम पंचायत में पंच से लेकर सरपंच तक महिलाएं निर्विरोध निर्वाचित होकर आ गई। मगर यहां पर महिला सशक्तिकरण नजर ही नहीं आ रहा है। महिला जनप्रतिनिधियों की आड़ में उनके पति हर जगह पर सक्रिय है। जिनके निर्देशन में अमृत तालाब का निर्माण कार्य पूरा हुआ। मगर इस तालाब की हालत ऐसी हो गई है कि उसमें बारिश का पानी नहीं रूकता है वर्तमान समय में ठंड का मौसम अभी निकला है। इसके बाद भी इस तालाब में पानी तक मौजूद नहीं है। जिस मकसद से अमृत सरोवर का निर्माण करवाया गया है। वह मकसद पूरा ही नहीं हो रहा है इसके निर्माण में जो भी राशि खर्च की गई है वह पूरी तरह से अनुपयोगी सिद्ध हो रही है।

इनका कहना है

अमृत सरोवर योजना के तहत देवरी मढ़िया एवं खमरिया मानपुर ग्राम पंचायत में गुणवत्ताहीन तलाबों के निर्माण की जानकारी मिली है। उपयंत्री, एसडीओ को मौके पर भेज कर जांच कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नीलम रैकवार सीईओ जनपद पंचायत सिलवानी

नियम ताक पर रखकर दौड़ रहे रेत गिट्टी से भरे ओवरलोड वाहन, दुर्घटना की भी आशंका

सिलवानी, देशबन्धु। क्षेत्र में खनिज संपदा का अकूत भंडार लगा है, जिसका दोहन करने के लिए रात दिन भारी वाहन बेखौफ दौड़ रहे हैं। बताया गया है कि क्षेत्र में रेत, गिट्टी, मुरम आदि का परिवहन करने के लिए दर्जनों वाहन रात दिन धमाचौकड़ी मचाते हैं। इन वाहनों में जितनी क्षमता है, कहीं उससे ज्यादा माल भर परिवहन किया जाता है। पूर्व में इन वाहनों से लोग दुर्घटना का शिकार हुए हैं, बावजूद स्थानीय प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा। आंखों के सामने ओवरलोड वाहन धड़ल्ले से निकल जाते हैं और जिम्मेदार मूकदर्शक बने हैं। भोपाल रोड पर तहसील व थाना संचालित है। सरकारी दफ्तरों के सामने से ओवरलोड वाहन नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए निकलते हैं, लेकिन जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे पाते। बताया जाता है कि अधिकांश वाहन रसूखदारों के होते हैं जिससे कार्रवाई करने में अधिकारी भी कतराते है। बगैर फिटनेस के दौड़ रहे वाहन: नगर में खनिज संपदा का दोहन करने वाले अधिकांश वाहन बगैर फिटनेस के दौड़ रहे हैं। बताया गया है कि रसूखदारों के वाहन दौड़ रहे हैं यही वजह है कि इन पर कार्रवाई नहीं हो रही है। प्रशासन के द्वारा जब भी चलानी कार्रवाई की गई तो बगैर फिटनेस या फिर ओवरलोड का मामला सामने आया है। कई बार वाहनों में खनिज संबंधित कागजात नहीं मिला तो ले देकर मामला रफा–दफा कर दिया गया, वहीं इससे शासन को लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा हैं, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

जिस तरह से ओवरलोड वाहन नियमों को दर किनार कर दौड़ रहे हैं इससे साफ जाहिर हो रहा है कि कहीं न कहीं खनिज, आरटीओ, पुलिस, राजस्व का खुला संरक्षण मिला है, जिससे नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। घनी बस्ती आबादी के बीच से ओवरलोड वाहन निकलते हैं। बस स्टैंड चौराहा होते समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। प्रशासन के द्वारा यदि समय रहते इन पर रोक नहीं लगाई गई तो कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

गर्मी से पहले ही पेयजल व्यवस्था लड़खड़ाने की कगार पर पहुंची

सांची, देशबन्धु। नगर में पेयजल संकट से निपटने नगर परिषद प्रशासन हरसंभव प्रयास करता दिखाई देता है परंतु इस नगर की पेयजल समस्या हल होने का नाम नहीं ले रही है। हालांकि पेयजल आपूर्ति हेतु लंबे समय से वाटर प्लांट कंपनी निर्माण में जुटी हुई हैं। इस कंपनी द्वारा बसस्टैंड परिसर में पानी की टंकी निर्मित करा दी है तथा पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा है। हालांकि नगर परिषद प्रशासन अपने पूर्व के ट्यूबेलों से जलप्रदाय कर रहा है। इसके साथ ही प्रशासन द्वारा पेयजलापूर्ति पर विगत वर्षों में कर में बढ़ोत्तरी भी कर दी थी परन्तु व्यवस्था व्यवस्थित नहीं हो सकी। बताया जाता है सैकड़ों नल कनेक्शन अवैध चल रहे है इससे भी समस्या बढ़ गई हैं। अभी ठंड का मौसम पूरी तरह खत्म नहीं हुआ और पेयजल व्यवस्था चरमराई दिखाई देने लगी है।

अभी से नलो से मटमैला जल उगलना शुरू कर दिया है जिससे बीमारी फैलने का अंदेशा जताया जाने लगा है। तब आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जैसे जैसे गर्मी का मौसम आगे बढ़ेगा तब जल समस्या विकराल रूप धारण कर लेगी। इस स्थिति में नगर वासियों को गंभीर जलसंकट से गुजरना पड़ सकता है।

नपाध्यक्ष ने महाकुंभ में लगाई डुबकी

आष्टा, देशबन्धु। वर्षों इंतजार के बाद सनातन धर्मावलंबियों का पवित्र महाकुंभ आता है, जिसमें देश सहित अन्य देशों के कोने–कोने से सनातनजन डूबकी लगाने करोड़ों की संख्या में पहुंचते हैं। नगर की सुख–समृद्धि की कामना लिए नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा अपने परिवार के साथ प्रयागराज महाकुंभ पहुंचे। जहां नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने अपने परिजनों के साथ आस्था की डूबकी लगाते हुए नगर के नागरिकों की सुख–समृद्धि की कामना की। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री मेवाड़ा ने महाकुंभ के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि वर्षों के इंतजार के बाद आने वाले महाकुंभ में हर सनातनी को आस्था की डुबकी लगाने अवश्य जाना चाहिए।

विद्यार्थियों के लिए फिल्म छावा के विशेष शो का आयोजन

आष्टा, देशबन्धु। स्वराज एवं राष्ट्र की गरिमा के संघर्ष में अपना सर्वस्व बलिदान कर हिन्द स्वराज का अलख जगाने वाले वीर सम्भा के त्याग व बलिदान पर आधारित फिल्म ''छावा'' के विशेष शो का आयोजन टैलेण्ट इनोवेटिव स्कूल के विद्यार्थियों के लिए स्थानीय अंशय चित्रालय में गत दिवस आयोजित किया गया। इस हेतु समाज सेवी रांझा राय ने सिनेमा में विद्यार्थियों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराईं और मैनेजर दशरथ मेवाड़ा व साथियों ने सभी विद्यार्थियों को व्यवस्थित किया। प्रदर्शन के दौरान सिनेमा हाल फिल्म के प्रेरक, देशभक्ति एवं राष्ट्र के प्रति बलिदान के दृश्यों पर वीर सम्भाजी व वीर शिवाजी भारत माता की जय से गूंज गया। उपस्थित सभी विद्यार्थियों ने फिल्म से मुगल सल्तनत से स्वराज के संघर्ष की ऐतिहासिक महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। संस्था के प्राचार्य सुदीप जायसवाल ने इस अवसर पर बताया कि पूर्व में भी विद्यार्थियों में सकारात्मकता व व्यक्तित्व विकास एवं देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने के लिए इस तरह के आयोजन किए हैं। इस अवसर पर अनेक विद्यार्थियों के साथ–साथ शिक्षक, शिक्षिकाएं व सहयोगी स्टॉफगण भी उपस्थित रहे।

महाकुंभ से लौटने पर शिक्षकों का प्राचार्य खान ने किया सम्मान

आष्टा, देशबन्धु। नगर के सी.एम. राइज शासकीय उत्कृष्ट उमावि में अपनी विगत 1 माह से अधिक शासकीय सेवा प्रयागराज महाकुंभ में आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास के अंतर्गत एकात्म पर्व में संस्था के शिक्षक डॉ. जितेन्द्र आर्य के पुन: विद्यालय आगमन पर स्वागत सम्मान कार्यक्रम विद्यालय में आयोजित किया गया। साथ ही विद्यालय के शिक्षक सतीश कुमार वर्मा, धीरज शर्मा एवं रविन्द्र ठाकुर द्वारा प्रयागराज महाकुंभ में स्नान कर वापस संस्था में लौटने पर संस्था के प्राचार्य मो. सितवत खान द्वारा शाल श्रीफल भेंट कर पुष्पमाला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया।

सम्मान समारोह में प्राचाय खान ने कहा कि कुम्भ आत्मजाग्रति, एकता, आस्था, संस्कृति और अध्यात्म का महामिलन है, मानवता का प्रतीक है। कुम्भ में श्रद्धालु अपनी सभी भौतिक चिंताओं को त्याग कर आत्मा के उत्थान और मानवता की सेवा के लिए आते है, जिससे एक दूसरे के प्रति प्रेम, सम्मान और भाईचारे का भाव जागृत होता है। महाकुंभ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान ही नही, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिकता का जीवंत प्रमाण है। यह आयोजन दुनिया भर के लोगों को भारतीय आध्यात्मिकता की तरफ आकर्षित करता है, और उन्हें जीवन की गहरी शिक्षा प्रदान करता है। महाकुंभ का संदेश यही है कि सभी धर्मो, जातियों एवं संस्कृतियों में एकता और समानता हो और मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

इस अवसर पर संस्था के शिक्षक आसमा खानम, अन्तेश धारवां, सम्राट ढ़ोके, रघुवीर सिंह, राखी पोहाने, जितेन्द्र धनवाल, अमिता सोनी, भूपेन्द्र सिंह, धर्मेन्द्र मेवाड़ा, पदमा परमार, जितेन्द्र मेवाड़े, लीला भिलाला, नमिता लोवंशी, पवन राया, निहायत मंसूरी, नेहा अंसारी, मनोज कुमार कलमोदिया, मो. इमरान, उर्मिला यादव, डॉ. दीक्षा खंडेलवाल, राम सिंह, तेजपाल सिंह, अभिलाषा श्रीवादी, सपना यादव, वीरेन्द्र सिंह, डॉ. स्मिता नायर, संदीप जायसवाल, हेमेन्द्र पाटीदार, आराधना चंद्रवंशी, प्रकाश यादव, कृतिका वर्मा, नीता जैन, रामेश्वर दामडिया, विजय हाटेकर, निर्मल बैरागी, जितेन्द्र वर्मा, हेमंत मेवाड़ा, दिनेश गहरवाल, सतीष वर्मा, धीरज शर्मा, राजेश मालवीय, मनोज बडोदिया, वंदना सोलंकी, हुकुमचंद, शशि बिंजवा, अनिल पटेल, ज्योति मंडलोई, ज्योति चौहान, कासिम खान, डी.एस. मांडवा, मुकुन्द सिंह बरोडिया, कमलेश वर्मा, ज्ञान सिंह मेवाड़ा, विजय अडगले, एस.के सिंगारिया, राजेश राठौर आदि मौजूद थे।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

सुशील कुमार पंचतत्व में विलीन, श्रद्धांजलि देने पहुंचे विधायक

बैतूल, देशबन्धु। नगर के कालापाठा स्थित सुयोग कॉलोनी निवासी एवं तनवी ऑटोमोबाइल्स चिचोली (बजाज सब-डीलर) के संचालक सुशील कुमार साहू का बुधवार को असामयिक निधन हो गया। गुरुवार को सुबह उनकी अंतिम यात्रा सुयोग कॉलोनी स्थित निवास से निकली, जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासी, रिश्तेदार और शुभचिंतक शामिल हुए। इस दौरान विधायक हेमंत खंडेलवाल भी पहुंचे और दिवंगत सुशील साहू को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों से मिलकर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उनके साथ भाजपा गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा भी मौजूद रहे। नगर के गंज मोक्षधाम में सुशील कुमार साहू का अंतिम संस्कार किया गया। उनके असमय निधन से समाज में शोक की लहर है।

जय शिवाजी- जय भवानी के जय घोष से गूंज उठा सिनेमा हाल

बैतूल, देशबन्धु। भारत भारती विद्यालय द्वारा शिवाजी जयंती के अवसर पर विद्यालय के लगभग 200 विद्यार्थियों एवं 40 शिक्षकों को संभाजीराजे भोसले के जीवन पर आधारित फिल्म छावा दिखाई गई। फिल्म के प्रारम्भ होने के पूर्व जब विद्यालय के छात्र रूद्रांश परसाई ने छत्रपती शिवाजी का वेश धारण सिनेमा हाल में प्रवेश किया सम्पूर्ण सिनेमा हाल जय शिवाजी- जय भवानी तथा शिवाजी के मंगलगान से गूंज उठा। विद्यालय के प्राचार्य जितेन्द्र परसाई तथा आचार्य मुकेश दवंडे, देवेन्द्र बेले, लोकेश अडलक, केशवराव गलफट ने शिवाजी महाराज का पूजन किया। श्री परसाई ने शिवाजी एवं संभाजी के जीवन पर प्रकाश डाला साथ ही बताया की भारत का इतिहास कितना शक्तिशाली रहा है, किस प्रकार देश में स्वराज्य हेतू संघर्ष किये गये। संस्था प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय में महापूरूषो की जयंतियां मनाई जाती है। एवं छात्र विद्यार्थियो को उनसे जुडी कहानीयां सुनाई जाती हैं जिससे आने वाली पीडी को भारत के सच्चे इतिहास की जानकारी मिल सकें।

साहू समाज की मासिक बैठक 23 को

बैतूल, देशबन्धु। मां कर्मा साहू समाज नगर समिति बैतूल के तत्वावधान में 23 फरवरी को दोपहर 3 बजे मां कर्मा भवन, काली चट्टान, शंकर नगर बैतूल में मासिक बैठक आयोजित की जाएगी। नगर अध्यक्ष श्रीराम दियावार ने बताया बैठक में मां कर्मा जयंती समारोह मनाने के संबंध में विस्तृत चर्चा होगी, साथ ही अन्य सामाजिक विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में साहू समाज के सभी बंधुओं, माताओं-बहनों, नगर समिति के पदाधिकारियों तथा महिला मंडल समिति के समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने की अपील की गई है।

भाजपा ने बनाए प्रधानमंत्री मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम विधानसभा प्रभारी

बैतूल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महत्वकांक्षी कार्यक्रम मन की बात के विधानसभा प्रभारी बनाए गए है। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत श्री मोदी महिने के हर अंतिम रविवार को रेडियो एवं टेलीविजन के माध्यम से देशवासियों से संवाद करते है। मान की बात कार्यक्रम के जिला प्रभारी नरेन्द्र गढेकर ने भाजपा प्रदेश नेतृत्व एवं जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार की अनुमति से बैतूल जिले की पांचो विधानसभाओं में विधानसभा प्रभारी बनाए गए है। जिला मीडिया सेंटर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैतूल विधानसभा में इंद्रपाल पुण्डे को विधानसभा प्रभारी, घोडाडोगरी विधानसभा में राजेन्द्र मालवीय, आमला विधानसभा में भगवंत सिंह रघुवंशी, भैसदेही विधानसभा से देवीसिंह ठाकुर एवं मुलताई विधानसभा से मनीष माथनकर को मन की बात कार्यक्रम का विधानसभा प्रभारी बनाया गया है।

पिछड़ा वर्ग संगठन ने धूमधाम से मनाई शिवाजी जयंती

बैतूल, देशबन्धु। पिछड़ा वर्ग संगठन द्वारा शिवाजी जयंती धूमधाम से मनाई गई, जिसमें सैकड़ों लोगों ने स्टेडियम के सामने शिवाजी प्रांगण में दीपक की रोशनी और पुष्प वर्षा की। इस मौके पर संगठन के जिला अध्यक्ष बीआर खंडागरे ने बताया कि शिवाजी महाराज भारत के एक महान राजा एवं रणनीतिकार थे जिन्होंने हिन्दवी स्वराज या मराठा साम्राज्य की नींव रखी। इसके लिए उन्होंने मुगल साम्राज्य के शासक औरंगजेब से संघर्ष किया। सन् 1674 में रायगढ़ में उनका राज्याभिषेक हुआ और वह छत्रपति बने। छत्रपती शिवाजी महाराज ने अपनी अनुशासित सेना एवं सुसंगठित प्रशासनिक इकाइयों कि सहायता से एक योग्य एवं प्रगतिशील प्रशासन प्रदान किया। उन्होंने समर-विद्या में अनेक नवाचार किए तथा छापामार युध गुरिल्ला युद्ध नीति की नई शैली विकसित की। कार्यक्रम का संचालन नारायण धोटे ने और आभार डॉ.एनआर साबले ने व्यक्त किया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी, सदस्य और शहर कि गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

ढाई क्विंटल जंगली सुअर का मांस जब्त

बैतूल, देशबन्धु। जिले में वन विभाग और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 243 किलो जंगली सूअर का मांस बरामद किया है। इस मामले में अंतरराज्यीय शिकारियों और मांस तस्करों के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। कार्रवाई के दौरान छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से चार मोटरसाइकिल और पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

यह कार्रवाई वनमंडलाधिकारी दक्षिण बैतूल विजयानन्तम टी. आर. और उपसंचालक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पूजा नागले के मार्गदर्शन में की गई। भैंसदेही, मुलताई और सावलमेंढा परिक्षेत्र में संयुक्त टीम गठित कर सघन गश्ती अभियान चलाया गया। इस दौरान गुड़गांव चौपाटी के पास अवैध गतिविधियों में संलिप्त परतवाड़ा महाराष्ट्र के विशाल और कैलाश को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि खरीदार मिथुन निवासी चोपना, बैतूल ने मांस खरीदा और चला गया। इसके बाद टीम ने पिपरिया गांव के पास मिथुन मंडल को दो बड़े जूट बैग के साथ मोटरसाइकिल पर जाते हुए पकड़ा। एक अन्य कार्रवाई में परतवाड़ा महाराष्ट्र के झनकलाल और किसन को गुड़गांव-भैंसदेही रोड पर पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो जूट बैग में जंगली सूअर का

मांस मिला। पूछताछ में सप्लायर मुकेश जनवारे का नाम सामने आया। मुकेश जनवारे और सुमित पचेल गुड़गांव की ओर आ रहे थे, तभी जनोना बैरियर पर टीम ने उन्हें रोकने की कोशिश की। मुकेश जनवारे अपना मोबाइल छोड़कर भाग निकला, लेकिन सुमित पचेल को गिरफ्तार कर लिया गया। पूरे अभियान में कुल 243 किलो जंगली सूअर का मांस बरामद किया गया। आरोपियों के बयान सहायक वन संरक्षक के समक्ष दर्ज किए गए और उन्हें भैंसदेही न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

इस कार्रवाई में प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारी और प्रभारी परिक्षेत्र अधिकारी भैंसदेही नीरज निश्चल के नेतृत्व में वनमंडल दक्षिण बैतूल और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की टीम ने हिस्सा लिया। इसमें उपवनमंडलाधिकारी मुलताई संजय साल्वे, उपवनमंडलाधिकारी भैंसदेही देवानंद पाण्डेय, परिक्षेत्र अधिकारी सतपुड़ा टाइगर रिजर्व निशांत जैन, वन परिक्षेत्र अधिकारी मुलताई नितिन पंवार, वन परिक्षेत्र अधिकारी सांवलमेंढा मानसिंह परते और अन्य वन अधिकारियों व कर्मचारियों की अहम भूमिका रही।

1.25 लाख रुपये की अवैध लकड़ी जब्ती हेतु

चिचोली, देशबन्धु। बैतूल जिले पश्चिम वन मंडल के सांवलीगढ़ रेंज के अंतर्गत अमलापुर गांव में अवैध फर्नीचर निर्माण की सूचना पर पश्चिम बैतूल वन मंडल ने बड़ी कार्रवाई की। यह कार्रवाई मुख्य वन संरक्षक बासु कन्नौजिया एवं वन मंडल अधिकारी वरुण यादव के मार्गदर्शन में बनाई गई टीम द्वारा की गई। इस छापेमारी के दौरान 1.3 सी एम टी अवैध सागौन लकड़ी बरामद की गई, जिसमें 11 लॉग (गोल काष्ठ) एवं 139 चिरान (सॉन् टिम्बर) कुल 150 इकाइयाँ शामिल थीं। जब्त लकड़ी का अनुमानित मूल्य 1.25 लाख रुपये से अधिक है। आरोपी के घर से 10 से अधिक छोटी-बड़ी फर्नीचर बनाने की मशीनें भी बरामद की गईं, जिनमें लेथ मशीन, 2 बड़े कटर, आरा आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, आलमपुर निवासी आरोपी राजाराम चंदेलकर के घर के सामने खड़ी एक सफेद बोलेरो वाहन में भी अवैध रूप से लकड़ी पाई गई, जिसे कानूनी प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया गया। यह वाहन आरोपी के पुत्र विकास के नाम पर पंजीकृत है। इस छापेमारी अभियान का नेतृत्व आईएफ एस अधिकारी अक्षत जैन एवं उनकी टीम द्वारा किया गया।

भक्ति के साथ शिव विवाह महोत्सव जारी, केदारनाथ की खणमिट्टी आज

बैतूल, देशबन्धु। थाना महाकाल चौक कोठी बाजार स्थित शिवालय में शिव विवाह महोत्सव पूरे धार्मिक विधि-विधान और भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। इस पावन उत्सव के तहत 20 फरवरी की शाम 7 बजे ओंकारेश्वर का टीका विधि-विधान से संपन्न किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति भाव से भाग लिया। अब 21 फरवरी को शाम 4 बजे केदारनाथ की खणमिट्टी का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिल रहा है।

शिव विवाह महोत्सव में भक्तों की आस्था और उमंग देखते ही बन रही है। इस आयोजन की प्रभारी श्रीमती माधुरी नामदेव हैं इस आयोजन में सहयोग देने वाले प्रमुख भक्तों में वर्षा दुबे, मनीषा देशमुख, मीना अंबाड़े, उर्मिला पवार, गया भाभीजी, मुस्कान, नंदिनी, आयुषी मेडम, समीक्षा अग्निहोत्री, सुधा देशमुख, राजकुमार नामदेव, संकेत राजपूत, अभय, मयूर, कृष्णा, ऋषव, लक्ष्य, हरिओम सहित अन्य श्रद्धालु शामिल हैं। केदारनाथ की खणमिट्टी आयोजन के दौरान पूरे शिवालय में भक्तिमय माहौल रहेगा। भोलेनाथ के जयकारों से शिवालय गूंज उठेगा और भक्तों की टोली भजन-कीर्तन के साथ शिव विवाह महोत्सव की भव्यता को और भी दिव्य बनाएगी।

श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ इस पावन अनुष्ठान में भाग लेंगे, जिससे शिवालय परिसर में भक्ति का अनूठा दृश्य देखने को मिलेगा।

शिव विवाह महोत्सव की प्रत्येक रस्म विधिपूर्वक पूरी की जा रही है, जिससे भक्तों में विशेष आनंद और उल्लास का संचार हो रहा है। शिव विवाह महोत्सव के इस पावन आयोजन में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की अपील की गई है, ताकि सभी भक्त भोलेनाथ की कृपा प्राप्त कर सकें।

हरीश गढ़ेकर ने मां के स्मृति में लायंस चैरिटेबल हॉस्पिटल के लिए दिए 2 लाख

बैतूल, देशबन्धु। बाल कैंसर रोगियों के इलाज और इलाज के दौरान अस्थाई तौर पर उनके परिजनों को रहने के लिए लायंस क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा लायंस चैरिटेबल हॉस्पिटल का निर्माण किया जाना है जिसके लिए गत रविवार को भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल लायन हरीश गढ़ेकर ने अपनी मां की स्मृति में इस लायन चैरिटेबल हॉस्पिटल के निर्माण में 2 लाख रुपए डोनेट किए। उक्त राशि के डोनेट करने पर अतिथियों ने श्री गाडेकर को शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किए है। भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लायंस क्लब के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय निदेशक एवं एलसीआईएफ ट्रस्टी लायन जीएस होरा मौजूद थे। वहीं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल

,जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नगर, विद्या भारती के प्रांतीय संगठन मंत्री अनिल अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन मनीष शाह, लायन श्रवण कुमार, लायन डॉक्टर जीपीएस होरा, लायन महेश मालवीय, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार एवं भूमि दान करने वाले अमृतलाल सोनी कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल लायन हरीश गाडेकर ने अपनी मां स्वर्गीय श्रीमती काशी बाई पत्नी स्वर्गीय डी आर गढ़ेकर के स्मृति में एक कक्ष निर्माण किए जाने हेतु 2 लाख रुपए भेंट किए, जबकि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने हॉस्पिटल के लिए स्वयं की ओर से 11 लाख तथा 20 लख रुपए विधायक निधि से देने की घोषणा की है। इस तरह 31लाख की बड़ी राशि श्री खंडेलवाल की ओर से हॉस्पिटल के लिए मिलेंगे।

निःक्षय शिविर अभियान एवं निरोगी काया अभियान की जानकारी दी

बैतूल, देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रविकांत उइके ने गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में 100 दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान एवं निरोगी काया अभियान की जानकारी दी गई। प्रेस वार्ता में जिला क्षय अधिकारी डॉ आनंद मालवीय ने क्षय रोग के जीवाणु माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस तथा क्षय रोग के संक्रमण राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत दी जा रही सेवाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, आरोग्य मंदिरों में प्रतिदिन शिविर लगाकर टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग की जा रही है।

टीबी के मरीजों को मिलने वाली निःशुल्क दवाइयां एवं नि-क्षय पोषण योजना के अंतर्गत प्रतिमाह शासन द्वारा पोषण आहार के लिये 1 हजार रुपए राशि तथा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत सामुदायिक सहायता से पौष्टिक आहार फूड बास्केट प्रदाय किये जा रहे हैं। डॉ.मालवीय द्वारा उन्होंने फैफड़ो के क्षय रोग, फैफड़ों के बाहर का क्षय रोग की विस्तृत डॉ मालवीय ने बताया कि अभियान के दौरान उच्च जोखिम वाली 4,13,330 जनसंख्या की स्क्रीनिंग की जानी थी, लक्ष्य

की पूर्ति करते हुये 4,23,698 जनसंख्या की स्क्रीनिंग की गई जो कि 103 प्रतिशत है। अभियान के दौरान 14,184 उच्च जोखिम जनसंख्या वाले टीबी संभावित मरीजों के एक्स-रे किये गये। स्पुटम के लिये 16,086 उच्च जोखिम जनसंख्या वाले टीबी संभावित मरीजों की नॉट टेस्टिंग की गई। एक्स-रे एवं स्पुटम परीक्षण के पश्चात् जिले में 427 पॉजिटिव टीबी मरीजों का इलाज प्रारंभ किया गया। अभियान के दौरान नये एवं पुराने मरीजों को नि-क्षय पोषण योजना के अंतर्गत 701 बेनीफिट प्रदान किये गये। अभियान के दौरान 505 नये नि-क्षय मित्रों का पंजीयन किया गया। 505 नये बने नि-क्षय मित्रों द्वारा 453 फूड बास्केट टीबी का उपचार ले रहे मरीजों को प्रदान किये गये। अभियान के दौरान 5,266 नि-क्षय शिविरों का जिले में आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में जिला मीडिया अधिकारी श्रीमती श्रुति गौर तोमर ने निरोगी काया अभियान की जानकारी देते हुये बताया कि यह अभियान 20 फरवरी से 31 मार्च तक संचालित किया जाएगा। अभियान में 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों का मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं एनएएफएलडी (नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर) की 100 प्रतिशत स्क्रीनिंग एवं रीस्क्रीनिंग की जाएगी।

अर्थात तीन बड़ी बीमारियों, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और लीवर में फैट की स्थिति देखी जाएगी। अभियान के तहत जिले के 354 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक) पर हेल्थ केम्प लगाये जाएगे। आशा कार्यकर्ता और एएनएम घर-घर जाकर 30 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर आने के लिये प्रेरित करेंगी तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्वास्थ्य संस्थाओं में उनकी स्क्रीनिंग की जाएगी। मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप के चिन्हित हितग्राहियों को निशुल्क दवाइयां वितरित की जाएगी। इस अवसर पर उप जिला मीडिया अधिकारी महेशराम गुबरेले, जिला पीएमडीटी समन्वयक प्रमोद दरवाई, शाखा प्रभारी परिवार कल्याण भगत सिंह उइके, फार्मासिस्ट श्री उमेश परपाची एवं प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार गण मौजूद रहे।

कुनबी समाज ने शिवाजी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक का बहिष्कार किया

सारनी, देशबन्धु। जिले के इतिहास में पहली बार ऐसा देखने में आया है कि कुनबी समाज ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर अपनी विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर योगेश पंडाग्रे को कुनबी समाज ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ना बनाकर पूर्व कैबिनेट मंत्री, सुखदेव पांसे, मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया गया।

जब इस बात की तहकीकात की गई तो सामने आया कि भाजपा मंडल उपाध्यक्ष सक्रिय कार्यकर्ता स्वर्गीय रविंद्र देशमुख आत्महत्या मामले से जुड़े तार निकले, बताया जा रहा है स्वर्गीय देशमुख आत्महत्या कांड में श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष, पूर्व विधायक प्रतिनिधि रंजीत सिंह का नाम सुसाइड नोट में मुख्य रूप से लिखा गया था। घटना के बाद से आरोपी फरार रहा, जिस पर पुलिस अधीक्षक, आईजी द्वारा 3 हजार, 5 हजार, 20 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था। आखिरकार फरार आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत लेकर आए। आते ही अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए पाथाखेड़ा में आयोजित त्रिशूल यात्रा कार्यक्रम को हाईजैक कर लिया गया। इस बात से अनजान आमला सारनी विधायक योगेश पंडाग्रे कार्यक्रम पहुंचे थे। हालांकि पूर्व में कुनबी समाज को लगता था कि फरार आरोपी रंजीत को क्षेत्रीय विधायक द्वारा भरपूर सहयोग किया जा रहा है, लेकिन जिसके कोई पुख्ते प्रमाण कुनबी समाज के पास नहीं थे। लेकिन त्रिशूल यात्रा कार्यक्रम में विधायक के साथ रंजीत सिंह ने फोटो वायरल कर कुनबी समाज को आहत पहुंचाने महसूस कराया था कि विधायक आज भी उनके साथ हैं और फरारी के दौरान विधायक ने ही उनका सपोर्ट किया था। जिसके बाद समस्त जिले का कुनबी समाज ना चाह कर भी विधायक के खिलाफ हो गया। जिसका परिणाम यह निकला की शिवाजी जयंती पर डॉ पंडाग्रे की विधानसभा क्षेत्र आमला सारनी में समस्त कुनबी समाज के कार्यक्रम में उनका नाम शामिल न करते हुए उनको नजर अंदाज किया है।

आने वाले चुनाव में कुनबी वोट का खतरा: जिस तरह समस्त आमला सारनी विधानसभा क्षेत्र में कुनबी समाज ने विधायक को नजरंदाज किया है। उससे प्रतीत हो रहा है कि कुनबी समाज थान कर बैठा है जो आने वाले चुनाव में अगरडॉ पंडाग्रे को टिकट मिलती है तो कुनबी समाज एक तरफ वोट करके उन्हें एहसास करवाएंगे की अपने भाजपा नेता रविंद्र देशमुख आत्महत्या कांड में मुख्य व्यक्ति का गलत सपोर्ट किया है। इतना ही नहीं कुनबी समाज की नाराजगी जिले की पांचो विधानसभा सीटों को प्रभावित कर सकती है।

तपश्री आश्रम में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा आज से

चिचोली, देशबन्धु। क्षेत्र के आस्था का केंद्र तपश्री बाबा आश्रम में इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का भव्य आयोजन शुक्रवार से प्रारंभ होंगा। इटारसी के प्रख्यात आचार्य पंडित नरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के मुखारविंद संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का वाचन किया जाएगा। कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक होंगा। यज्ञ हवन के साथ समापन 27 फरवरी गुरुवार को किया जाएगा। 28 फरवरी शुक्रवार को भव्य भंडारा प्रसादी का आयोजन किया जायेगा। भंडारे में लगभग 50 हजार की संख्या में श्रद्धालु दूर दूर से प्रसादी ग्रहण करने आते है। आयोजन समिति द्वारा पर्यावरण के मद्देनजर पत्तो से बनी पत्तलों में भोजन प्रसादी बैठाकर कराई जाती है। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रद्धालुओ से धर्म का लाभ लेने का आग्रह किया है।

भीमसेना प्रदेश प्रभारी पर झूठे मुकदमे का आरोप, राजनीतिक दलों ने किया प्रदर्शन

बैतूल, देशबन्धु। भीमसेना प्रदेश प्रभारी पंकज अतुलकर के समर्थन में बसपा समेत विभिन्न राजनीतिक दलों ने एसपी कार्यालय के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भूमाफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस दौरान महामहिम राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें पंकज अतुलकर के खिलाफ दर्ज मुकदमे को झूठा बताते हुए तत्काल प्रभाव से खात्मा करने की मांग की गई।

भीमसेना के नेता पंकज अतुलकर और उनके सहयोगी वर्षों से समाज सेवा के कार्यों में जुटे हैं। उन्होंने अनुसूचित जाति और जनजाति के आर्थिक शोषण के खिलाफ आवाज उठाई, कई गरीब परिवारों को न्याय दिलाने का प्रयास किया। पंकज ने भूमाफियाओं के खिलाफ

अभियान छेड़ा था, जिसमें आरोप है कि भू-माफियाओं ने अनुसूचित जाति और जनजाति के अशिक्षित परिवारों को धोखा देकर उनकी जमीन हड़प ली। इस मुद्दे को लेकर वह लगातार पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन झरिया से चर्चा कर रहे थे। पंकज अतुलकर पर हुए हमले को लेकर प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब भूमाफियाओं को यह पता चला कि उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है, तो उन्होंने एक साजिश रची। आरोप है कि एक महिला, उसके पुत्र और पति को आगे कर पंकज अतुलकर पर हमला करवाया गया। शेष भूमाफिया पास खड़े होकर वीडियो बनाते रहे। हमले के दौरान पंकज को कॉलर पकड़कर चप्पलों से मारा गया और जातिगत गालियां दी गईं।

इसके बाद आरोपी उन्हें एसपी कार्यालय ले गए, जहां एसडीओपी और एडिशनल एसपी से मुलाकात के दौरान पंकज को थाना गंज जाने के लिए कहा गया। जब वह अगले दिन थाना गंज पहुंचे, तो उन्हें बताया गया कि उनके खिलाफ धारा 74, 396, 351(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पंकज अतुलकर समर्थकों का कहना है कि उन पर लगाए गए आरोप निराधार हैं। एफआईआर में उल्लेखित बयान खुद विरोधाभासी हैं। एक ओर आरोप लगाया गया कि पंकज 4 दिन पहले 5 लाख रुपये मांगने आया था, वहीं एफआईआर में लिखा गया है कि आरोपीगण ने कालेज चौक पर पूछताछ की कि तुम में से पंकज कौन है? इससे स्पष्ट होता है कि आरोपी पंकज को पहचानते ही नहीं थे, केवल उनका नाम जानते थे। पुलिस प्रेस नोट के अनुसार, पंकज पर दर्ज सभी मामलों में वह न्यायालय से दोषमुक्त हो चुके हैं। इसके बावजूद उन्हें अपराधी ठहराना निंदनीय है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि झूठे आरोपों के जरिए एक दलित नेता की छवि धूमिल करने की साजिश की जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो प्रदेश स्तरीय आंदोलन किया जाएगा, जिसमें देशभर के दलित नेता शामिल होंगे। इस आंदोलन की जिम्मेदारी पूरी तरह शासन और प्रशासन की होगी। ज्ञापन की प्रतिलिपि पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, मानव अधिकार आयोग, भोपाल को प्रेषित की गई।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

एचडीएफसी बैंक	2.35 प्रतिशत
मारुति	1.81 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.69 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.33 प्रतिशत
आईटीसी	1.06 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एनटीपीसी	3.32 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	3.01 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	2.85 प्रतिशत
टाटा स्टील	1.58 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.33 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	86,803
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,03,500
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	86.96	87.00
पौंड स्टर्लिंग	106.21	106.45
यूरो	88.45	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4280-4380
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4250-4350

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	8900-9000
मूंग दाल	9300-9300
अरहर दाल	7650-7750

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

'भारत' दुनिया की सबसे तेजी गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा : आरबीआई

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। आरबीआई के लेटेस्ट मासिक बुलेटिन के अनुसार, हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर 2024-25 की दूसरी छमाही के दौरान भारत की आर्थिक गतिविधि की गति में क्रमिक वृद्धि की ओर इशारा करते हैं, जो आगे भी जारी रहने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, एक चुनौतीपूर्ण और अनिश्चित वैश्विक माहौल में भारतीय अर्थव्यवस्था 2025-26 के दौरान सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए तैयार है। आईएमएफ और विश्व बैंक ने क्रमश: 6.5 प्रतिशत और 6.7 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि केंद्रीय बजट 2025-26 घरेलू आय और खपत को बढ़ावा देने के उपायों के साथ-साथ पूंजीगत व्यय पर निरंतर ध्यान केंद्रित कर राजकोषीय समेकन और विकास उद्देश्यों को बेहतर तरीके से संतुलित करता है। प्रभावी पूंजीगत व्यय/जीडीपी अनुपात को 2024-25 (संशोधित अनुमान) में 4.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2025-26 में 4.3 प्रतिशत करने का बजट बनाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.3 प्रतिशत पर आ गई, जो पांच महीने का सबसे निचला स्तर है। इसका मुख्य कारण सर्दियों की फसलों के बाजार में आने से सब्जियों की कीमतों में आई तेज गिरावट है।

हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर दर्शाते हैं कि अर्थव्यवस्था 2024-25 की दूसरी छमाही के दौरान सुधार की राह पर है। जनवरी में परचेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) में औद्योगिक गतिविधि में पिछली तिमाही की तुलना में सुधार दर्ज किया गया है। बुलेटिन के अनुसार ट्रैक्टर की बिक्री में वृद्धि, ईंधन की खपत में वृद्धि और हवाई यात्रियों की संख्या में निरंतर वृद्धि भी समग्र गति में सुधार की ओर इशारा करती है। यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि कृषि आय में वृद्धि से ग्रामीण मांग में तेजी बनी हुई है।

■ आईएमएफ और विश्व बैंक ने क्रमशः 6.5 प्रतिशत और 6.7 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया

ग्रामीण क्षेत्रों में, फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियों की बिक्री वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 9.9 प्रतिशत बढ़ी, जो दूसरी तिमाही में 5.7 प्रतिशत से बहुत अधिक है। शहरी मांग में भी तीसरी तिमाही में 5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सुधार हुआ, जो पिछली तिमाही में 2.6 प्रतिशत से लगभग दोगुना है। रिजर्व बैंक द्वारा किए गए उद्यम सर्वेक्षण इस आकलन की पुष्टि करते हैं। सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों ने शुरुआती परिणामों के अनुसार तीसरी तिमाही के दौरान बिक्री वृद्धि में तेजी दर्ज की। रिपोर्ट के अनुसार, क्रमिक आधार पर, परिचालन लाभ मार्जिन भी बेहतर बिक्री वृद्धि के अनुरूप अधिक रहा है।

इसमें आगे कहा गया है कि निजी क्षेत्र के निवेश इरादे स्थिर रहे, बैंकों/वित्तीय संस्थानों (एफआई) द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत चालू वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में लगभग 1 लाख करोड़ रुपए रही। पूंजीगत व्यय के उद्देश्य से ईसीबी और आईपीओ में भी तीसरी तिमाही के दौरान वृद्धि दर्ज की गई। वैश्विक व्यापार और भू-राजनीतिक परिदृश्य के बारे में अनिश्चितता का घरेलू इक्विटी बाजारों पर असर पड़ा है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ओर से बिक्री दबाव के कारण बेंचमार्क और व्यापक बाजारों में गिरावट आई क्योंकि भावनाएं कमजोर रहीं। अमेरिकी डॉलर की मजबूती के कारण अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के अनुरूप भारतीय रुपए में गिरावट आई है। आरबीआई बुलेटिन में यह भी बताया गया है कि अमेरिकी व्यापार नीति अनिश्चितता 2019 के यूएस-चीन व्यापार युद्ध के दौरान देखे गए स्तरों तक बढ़ गई है।

2030 में भारतीय सड़कों पर ईवी की संख्या होगी 2.8 करोड़ के पार

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। ई-मोबिलिटी, एनर्जी स्टोरेज और हाइड्रोजन पर केंद्रित एक प्रमुख उद्योग निकाय इंडिया एनर्जी स्टोरेज अलायंस (आईईएसए) के अनुसार, 2030 में भारतीय सड़कों पर ईवी की संचयी संख्या 2.8 करोड़ को पार कर जाने की संभावना है। इससे ग्रिड से ऊर्जा की मांग पैदा बढ़ेगी। आईईएसए के एक बयान के अनुसार, भारत की संचयी ईवी बिक्री वित्त वर्ष 2023-2024 में 41 लाख यूनिट को पार कर गई है और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के लिए भविष्य का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता, ग्राहकों की रुचि, बैटरी तकनीक में प्रगति और आसानी से उपलब्ध और सुलभ ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण इनकी मांग बढ़ रही है। आईईएसए ने कहा, 'यह अनुमान लगाया गया है कि वार्षिक बिक्री का 83 प्रतिशत इलेक्ट्रिक-टू व्हीलर होगा, 10 प्रतिशत इलेक्ट्रिक-फोर व्हीलर और ट्रक, बस जैसे वाणिज्यिक वाहन होंगे। वहीं इलेक्ट्रिक पहिया वाहन बिक्री में सात प्रतिशत का योगदान देंगे।' भारत अपनी डीकार्बोनाइजेशन यात्रा में महत्वपूर्ण और निरंतर प्रगति कर रहा है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तेजी से वृद्धि, मांग और आपूर्ति प्रोत्साहन, बढ़ती उपभोक्ता मांग और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। आईईएसए के अध्यक्ष (अंतरिम) विनायक वालिम्बे ने कहा कि भारत में बिजली की खपत में पर्याप्त वृद्धि देखी गई है, जो 2023-24 में 1,543 टीडब्ल्यूएच (ट्रिलियन वाट आवर) तक पहुंच गई है। यह पिछले साल की तुलना में सात प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने कहा, 'केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अनुसार, सार्वजनिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर बिजली की खपत अप्रैल से अक्टूबर 2024 तक 465 जीडब्ल्यूएच थी, जो 2022-2023 में 204 जीडब्ल्यूएच की तुलना में दोगुने से अधिक है।

■ भारत की संचयी ईवी बिक्री वित्त वर्ष 2023-2024 में 41 लाख यूनिट को पार कर गई

23-35 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ 2047 तक भारत उच्च आय वाला देश बन जाएगा

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारत 2047 तक 23-35 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ हाई-इनकम वाले देश में तब्दील हो जाएगा। 8-10 प्रतिशत की निरंतर वार्षिक वृद्धि की वजह से ये संभव होगा। गुरुवार को एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। बैन एंड कंपनी और नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, यह भारत के डेमोग्राफिक डिविडेंट, तकनीकी इनोवेशन और सेक्टोरल ट्रांसफोर्मेशन द्वारा संचालित होगा। आने वाले दशकों में लगभग 200 मिलियन व्यक्तियों के वर्कफोर्स में प्रवेश करने की उम्मीद के साथ, भारत के पास हाई-वैल्यू जॉब क्रिएशन को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण आर्थिक क्षमता को अनलॉक करने का एक बेहतरीन अवसर है। पांच प्रमुख क्षेत्र इलेक्ट्रॉनिक्स, एनर्जी, केमिकल्स, ऑटोमोटिव और सर्विस ग्लोबल ट्रेंड के साथ जुड़े होने के कारण रणनीतिक विकास लीवर के रूप में काम करेंगे।रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ती आय, कुशल श्रमिकों की बढ़ती संख्या और इंफ्रास्ट्रक्चर में निरंतर सुधार कुछ ऐसे प्रमुख कारक हैं जो इस वृद्धि को बढ़ावा दे सकते हैं।

■ आने वाले दशकों में लगभग 200 मिलियन व्यक्तियों के वर्कफोर्स में प्रवेश करने की उम्मीद

■ बैन एंड कंपनी और नैसकॉम की रिपोर्ट ने जारी की रिपोर्ट

नैसकॉम की वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगीता गुप्ता ने कहा, 'डिजिटल और ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश, घरेलू विनिर्माण और सहयोगात्मक रिसर्च और डेवलपमेंट को आगे बढ़ाकर, हम भारत को भविष्य की टेक्नोलॉजी और वैश्विक व्यापार में लीडर बना सकते हैं। इंक्लूसिव और सस्टेनेबल विकास को गति देने के लिए बहुआयामी, टेक-ड्रिवन दृष्टिकोण महत्वपूर्ण होगा।'

एआई-ड्रिवन चिप डिजाइन, टचलेस मैन्युफैक्चरिंग, कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग और डिजाइन में बैकवर्ड इंटीग्रेशन में प्रगति लागत प्रतिस्पर्धात्मकता और इनोवेशन को बढ़ा सकती है। जिससे 2047 तक इस क्षेत्र का निर्यात हिस्सा 24 प्रतिशत से बढ़कर 45 प्रतिशत-50 प्रतिशत हो जाएगा और इसका जीडीपी योगदान 3 प्रतिशत से बढ़कर 8 प्रतिशत-10 प्रतिशत हो जाएगा।

अप्रैल-दिसम्बर 2024 में एनआरआई बैंक खातों में 43 प्रतिशत फंड बढ़ा 13.33 बिलियन डॉलर हुए जमा

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-दिसंबर 2024 में विदेशों में काम करने वाले भारतीयों से एनआरआई बैंक खातों में धन का प्रवाह 42.8 प्रतिशत बढ़कर 13.33 बिलियन डॉलर हो गया है, जबकि 2023 में इसी अवधि के दौरान यह 9.33 बिलियन डॉलर था।

एनआरआई जमा योजनाओं में एफसीएनआर जमा के साथ-साथ एनआरई जमा और एनआरओ जमा शामिल

दिसम्बर 2024 के अंत में कुल बकाया एनआरआई जमा दिसम्बर 2023 के 146.9 बिलियन डॉलर से बढ़कर 161.8 बिलियन डॉलर हो गया है। एनआरआई जमा योजनाओं में एफसीएनआर जमा के साथ-साथ एनआरई जमा और एनआरओ जमा शामिल हैं, जो रुपए में रखे जाते हैं।

अप्रैल-दिसम्बर 2024 की अवधि के दौरान एफसीएनआर (बी) जमाराशियों में 6.46 बिलियन डॉलर का उच्चतम प्रवाह आया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान इन खातों में जमा की गई 3.45 बिलियन डॉलर राशि से लगभग दोगुना है। दिसम्बर के अंत में एफसीएनआर (बी) खातों में बकाया राशि बढ़कर 32.19 बिलियन डॉलर हो गई।

एफसीएनआर (बी) खाता ग्राहकों को एक से पांच साल की अवधि के लिए भारत में स्वतंत्र रूप से कंवर्ट होने वाली विदेशी मुद्राओं में फिक्स्ड डिपॉजिट रखने की अनुमति देता है। क्योंकि खाता विदेशी मुद्रा में रखा जाता है, इसलिए यह जमा की अवधि के दौरान मुद्रा में उतार-चढ़ाव के खिलाफ धन को सुरक्षित रखता है। इस अवधि के दौरान एनआरई जमाराशियों में 3.57 बिलियन डॉलर का प्रवाह दर्ज किया गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 2.91 बिलियन डॉलर था। दिसम्बर 2024 में बकाया एनआरई जमा राशि 99.56 बिलियन डॉलर थी। अप्रैल-दिसम्बर 2024 में एनआरओ जमा राशि 3.29 बिलियन डॉलर दर्ज की गई, जो एक साल पहले इसी अवधि के दौरान 2.97 बिलियन डॉलर थी। दिसम्बर 2024 में एनआरओ जमा राशि में कुल बकाया राशि 30.04 बिलियन डॉलर थी। एनआरओ खाता एनआरआई के लिए रुपए में अंकित बैंक खाता है। आरबीआई ने दिसम्बर की शुरुआत में एफसीएनआर-बी जमाराशियों पर ब्याज दर की सीमा बढ़ा दी थी, ताकि बैंक इन जमाराशियों पर अधिक रिटर्न दे सकें। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए को मजबूत करने के लिए देश में अधिक विदेशी मुद्रा आकर्षित करने के लिए यह कदम उठाया गया था।

सार संक्षेप

मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ नागेश्वरन को दो वर्ष का सेवा विस्तार

नई दिल्ली। सरकार ने मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) डॉ वी अनंत नागेश्वरन का सेवा काल दो साल के लिए बढ़ा दिया है और अब वह इस पद पर 31 मार्च 2027 तक बने रह सकते हैं। मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समित ने डॉ नागेश्वर के सेवाकाल के विस्तार की स्वीकृति प्रदान की है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी आदेश में कहा , ''यह निर्णय सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी से जारी किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि सीईए का कार्यकाल अनुबंध के आधार पर 31 मार्च, 2027 या अगले आदेश तक , उनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दिया गया है। सरकार ने जनवरी 2022 में डॉ नागेश्वरन को सीईए नियुक्त किया था। लब्धप्रतिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ नागेश्वरन का लेखक, शिक्षक और सलाहकार के रूप में लम्बा अनुभव है। उन्होंने भारत और सिंगापुर में कई बिजनेस स्कूलों और प्रबंधन संस्थानों में पढ़ाया है और विस्तृत लेखन करते रहे हैं।

आईफोन 16ई एप्पल के लिए भारत में मील का पत्थर होगा साबित

नई दिल्ली। उद्योग विशेषज्ञों ने गुरुवार को कहा कि एप्पल द्वारा भारत में अपने विकास की गति को बनाए रखने और विकसित बाजारों में मांग को फिर से बढ़ाने के लिए आईफोन 16ई का लॉन्च एक महत्वपूर्ण कदम है। एप्पल ने हाल ही में आईफोन 16ई की घोषणा की है, जो आईफोन 16 लाइनअप का एक नया प्रोडक्ट है। यह ज्यादा किफायती मूल्य पर पावरफुल कैपेबिलिटी प्रदान करता है। यह फोन ए18 चिप की इंडस्ट्री-लीडिंग एफिशिएंसी और एप्पल द्वारा डिजाइन किए गए पहले सेलुलर मॉडेम के साथ फास्ट, स्मूद परफॉर्मेंस और बेहतरीन बैटरी लाइफ के साथ लाया गया है। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के अनुसार, प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में भारत में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई, जबकि सुपर-प्रीमियम (50,000 रुपए से 1,00,000 रुपए) और उबर-प्रीमियम (1,00,000 रुपए से ऊपर) सेगमेंट में क्रमशः 10 प्रतिशत और 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

अडानी समूह का टीटीएम ईबीआईटीडीए बढ़कर 86,789 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक के विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली देश की प्रमुख कंपनी अडानी समूह ने आज घोषणा की कि दिसम्बर 2024 तक उसके पोर्टफोलियो की ईबीआईटीडीए से पहले की आय सालाना आधार पर 10.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 86,789 करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। समूह ने गुरुवार को अपनी आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में समूह की कंपनियों का ईबीआईटीडीए 17.2 प्रतिशत बढ़कर 22,823 करोड़ रुपए हो गया।

एचडीएफसी व मारुति समेत 17 कंपनियों में बिकवाली से गिरा बाजार

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ योजना से वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध छिड़ने की आंशका में एशियाई बाजारों की भारी गिरावट के असर से स्थानीय स्तर पर एचडीएफसी बैंक, मारुति, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक और टीसीएस समेत 17 दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरकर बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 203.22 अंक लुढ़ककर 75,735.96 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 19.75 अंक उतरकर 22,913.15 अंक पर रहा। हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में जमकर लिवाली हुई, जिससे बाजार को बल मिला। इस दौरान मिडकैप 1.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 40,854.88 अंक और स्मॉलकैप 1.32 प्रतिशत की छलांग लगाकर 46,054.94 अंक पर पहुंच गया।

■ सेंसेक्स 203.22 अंक लुढ़ककर 75,735.96 अंक और निफ्टी 19.75 अंक उतरकर 22,913.15 अंक पर रहा

इस दौरान बीएसई में कुल 4054 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2669 में लिवाली जबकि 1273 में बिकवाली हुई वहीं 112 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 28 कंपनियां हरे जबकि अन्य 22 लाल निशान पर बंद हुईं। बीएसई के चार समूहों में गिरावट जबकि अन्य 17 में तेजी का रुख रहा। इससे एफएमसीजी 0.04, वित्तीय सेवाएं 0.25, बैंकिंग 0.50 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.10 प्रतिशत उतर गए। वहीं, कमोडिटीज 1.07, सीडी 1.01, ऊर्जा 1.33, इंडस्ट्रियल्स 1.55, यूटिलिटीज 2.17, ऑटो 1.30, कैपिटल गुड्स 1.13, धातु 2.02, तेल एवं गैस 1.66, पावर 2.19, रियल्टी 1.14 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.86 प्रतिशत उछल गए। वैश्विक स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.24, जापान का निक्केई 1.24, हांगकांग का हैंगसेंग 1.60 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.02 प्रतिशत टूट गया जबकि जर्मनी के डैक्स में 0.50 प्रतिशत की बढ़त रही। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 266 अंक की गिरावट के साथ 75,672.84 अंक पर खुला लेकिन भारी बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 75,463.01 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली होने से दोपहर से पहले यह 75,794.15 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 75,939.18 अंक के मुकाबले 0.27 प्रतिशत गिरकर 75,735.96 अंक पर आ गया।

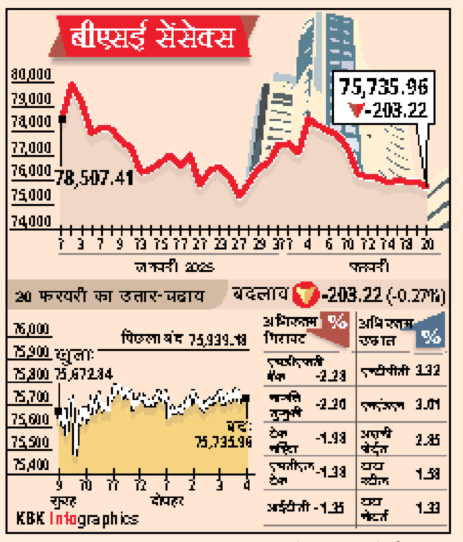

इस दौरान सेंसेकस की नुकसान उठाने वाली कंपनियों में एचडीएफसी बैंक 2.35, मारुति 1.81, टेक महिंद्रा 1.69, एचसीएल टेक 1.33, आईटीसी 1.06, आईसीआईसीआई बैंक 0.89, कोटक बैंक 0.73, बजाज फाइनेंस 0.71, सन फार्मा 0.41, टाइटन 0.35, अल्ट्रासिम्को 0.32, एलटी 0.24, जोमैटो 0.17, नेस्ले इंडिया 0.14, टीसीएस 0.09, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.06 और भारती एयरटेल 0.04 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, एनटीपीसी 3.32, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.01, अडानी पोर्ट्स 2.85, टाटा स्टील 1.58, टाटा मोटर्स 1.33, इंडसइंड बैंक 1.13, पावरग्रिड 1.01, इंफोसिस 0.70, एशियन पेंट 0.55, रिलायंस 0.50, एक्सिस बैंक 0.49, एसबीआई 0.39 और बजाज फिनसर्व के शेयर 0.33 प्रतिशत मजबूत रहे।

खाद्य तेलों में टिकाव, मूंग और उड़द दाल में तेजी

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के भाव स्थिर रहे जबकि मूंग दाल और उड़द दाल में तेजी रही वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

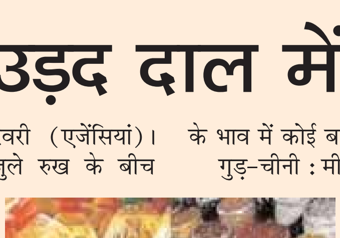

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा 35 रिंगिट उतरकर 4813 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.36 सेंट की तेजी के साथ 46.66 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मूंग दाल में 100 रुपए और उड़द दाल में 100 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मसूर दाल, और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

वित्त वर्ष में भारतीय ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री का राजस्व 8-10 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री का राजस्व 8-10 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। गुरुवार को आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 में परिचालन मार्जिन सीमित दायरे में 11-12 प्रतिशत के आसपास रहेगा। इसके पीछे एक प्रमुख वजह ऑपरेटिंग लिवरेज, प्रति वाहन ज्यादा कंटेंट और वैल्यू एडिशन है। हालांकि, उसने कहा है कि कमोडिटी की कीमतों और विदेशी मुद्रा दरों में किसी भी बड़े प्रतिकूल बदलाव की स्थिति में इस पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है।

लाल सागर मार्ग पर व्यवधान के परिणामस्वरूप कैलेंडर वर्ष 2023 की तुलना में साल 2024 में समुद्री माल ढुलाई दरों में दो-तीन गुना वृद्धि हुई है। समुद्री माल ढुलाई दरों में यदि और तेज तथा निरंतर वृद्धि से उन ऑटो कंपोनेंट सप्लायरों पर भी काफी प्रभाव पड़ेगा जिनका आयात या निर्यात अधिक है। आईसीआरए का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 में ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री क्षमता विस्तार, स्थानीयकरण/क्षमता विकास और तकनीकी उन्नति (जिसमें ईवी भी शामिल है) के लिए 25-30 हजार करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय करना होगा।

वर्तमान में, ईवी सप्लाई चेन का केवल 30-40 प्रतिशत स्थानीयकृत है। पिछले कुछ वर्षों में ट्रैक्शन मोटर्स, कंट्रोल यूनिट और बैटरी प्रबंधन प्रणालियों में पर्याप्त स्थानीयकरण हुआ है, जबकि बैटरी सेल, जो वाहन लागत का 35-40 प्रतिशत हिस्सा हैं, अभी भी पूरी तरह से आयात पर निर्भर हैं। अपेक्षाकृत कम स्थानीयकरण स्तर का मतलब है घरेलू ऑटो कंपोनेंट सप्लायर्स के लिए विनिर्माण अवसरों की भरमार।

आईसीआरए लिमिटेड की उपाध्यक्ष और सेक्टर हेड-कॉर्पोरेट रेटिंग्स, विनुता एस. ने कहा, 'घरेलू ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री एक परिवर्तन के दौर में है, जिसमें ऑटोमोटिव प्लेयर्स का ध्यान सस्टेनेबिलिटी, इनोवेशन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बना हुआ है।'

घरेलू ओईएम की मांग, जो उद्योग के राजस्व का आधे से अधिक हिस्सा है, वित्त वर्ष 2024-25 में 7-9 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025-26 में 8-10 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ (ईयू) में प्लांट के बंद होने के कारण मेटल कास्टिंग और फोर्जिंग में भारतीय कंपनियों के लिए अवसर होंगे।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।